हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक: 18 ■ नई दिल्ली 27 फरवरी से 05 मार्च 2026 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

वाराणसी फिल्म को लेकर प्रियंका ने किया बड़ा खुलासा

भारत-फिनलैंड डिजिटल और सस्टेनेबिलिटी में रणनीतिक साझेदारी को देंगे नई गति: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ वार्ता के बाद कहा कि भारत और फिनलैंड डिजिटलाइजेशन और सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्रों में अपने संबंधों को एक नई रणनीतिक साझेदारी का रूप दे रहे हैं, जिससे उच्च प्रौद्योगिकी और नवाचार के अनेक क्षेत्रों में सहयोग को गति मिलेगी।

हैदराबाद हाउस में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति स्टब के भारत के पहले दौरे का स्वागत करते हुए कहा कि वह न केवल एक वैश्विक नेता हैं बल्कि एक प्रतिष्ठित विचारक और लेखक भी हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष आयोजित रायसीना डायलॉग में मुख्य अतिथि के रूप में

उनकी उपस्थिति भारत के लिए सम्मान और प्रसन्नता की बात है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व अस्थिरता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया तक कई क्षेत्रों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। ऐसे वैश्विक माहौल में भारत और यूरोप जैसे दो बड़े कूटनीतिक साझेदारों के बीच संबंधों का नया दौर वैश्विक स्थिरता, विकास और साझा समृद्धि को मजबूत आधार प्रदान कर रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 की शुरूआत में भारत और यूरोपीय संघ के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे भारत और फिनलैंड के बीच व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग को और मजबूती मिलेगी।

मोदी ने कहा कि भारत और फिनलैंड डिजिटल प्रौद्योगिकी, अवसंरचना और सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि फिनलैंड की कंपनी नोकिया के मोबाइल फोन और दूरसंचार नेटवर्क ने करोड़ों भारतीयों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि फिनलैंड के वास्तुकारों के सहयोग से चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बनाया गया है। इसके साथ ही दोनों देशों के सहयोग से असम के नुमालीगढ़ में दुनिया की सबसे बड़ी बांस आधारित बायोएथेनॉल रिफाइनरी की स्थापना भी की गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति स्टब की यात्रा के दौरान भारत और फिनलैंड ने अपने संबंधों को डिजिटलाइजेशन और सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। यह साझेदारी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 6जी दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहयोग को नई ऊर्जा देगी।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा रक्षा, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिज जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में भी दोनों देशों की साझेदारी को और गहरा किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और फिनलैंड जैसे लोकतांत्रिक और जिम्मेदार देशों के बीच यह रणनीतिक साझेदारी विश्व के लिए भरोसेमंद प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने में सहायक होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि फिनलैंड भारतीय छात्रों और प्रतिभाओं के लिए तेजी से एक पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण माइग्रेशन और मोबिलिटी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे संयुक्त अनुसंधान और स्टार्टअप सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि फिनलैंड शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श माना जाता है और दोनों देशों ने शिक्षक प्रशिक्षण, स्कूल-से-स्कूल साझेदारी और शिक्षा के भविष्य पर अनुसंधान सहयोग को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। इससे स्कूल से लेकर उद्योग तक मानव संसाधन विकास के हर स्तर पर सहयोग को और मजबूत किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नॉर्डिक क्षेत्र में फिनलैंड भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और दोनों देश आर्कटिक तथा ध्रुवीय अनुसंधान के क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ा रहे हैं।

एक नजर

'एयर इंडिया की उड़ान प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र से नहीं गुजर रही'

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि उसकी उड़ानें पश्चिम एशिया में प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र के ऊपर से नहीं गुजर रही हैं। एयरलाइन ने आज एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ह्लएयर इंडिया प्रतिबंधित हवाई क्षेत्रों में उड़ानों का परिचालन नहीं कर रही है। उसने कहा कि क्षण-क्षण की खुफिया सूचनाओं, वैश्विक परामर्शों और सतत निगरानी के आधार पर उड़ानों का मार्ग तय किया जा रहा है ताकि हर यात्रा सुरक्षित, नियमों के अनुरूप और विश्वसनीय हो। एयरलाइन ने सोशल मीडिया पर चल रही उन खबरों का खंडन करते हुए यह पोस्ट किया है जिनमें कहा गया था कि एयर इंडिया की जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली आ रही रही उड़ान एआई2030 प्रतिबंधित हवाई क्षेत्रों के ऊपर से गुजरी है। उसने इन खबरों को गलत बताते हुए इस उड़ान के वास्तविक मार्ग का ग्राफ भी साझा किया है।

स्पाइसजेट की यूएई से गुरुवार को 13 विशेष उड़ानें

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच फंसे यात्रियों को निकालने के लिए निजी विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट गुरुवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के 13 विशेष उड़ानों का परिचालन कर रही है। एयरलाइंस ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इन 13 उड़ानों में से 12 फुजैरा से और एक दुबई से आयेगी। फुजैरा से सात उड़ानें मुंबई के लिए और पांच दिल्ली के लिए चलेंगी। वहीं एक विशेष उड़ान दुबई से मुंबई आयेगी। स्पाइसजेट ने 03 और 04 मार्च को यूएई से 12 विशेष विमानों का परिचालन किया था। इन उड़ानों में यात्रियों को दिल्ली, मुंबई और कोच्चि लाया गया था।

कांग्रेस चाहती है कि भारत आंख मूंदकर ईरान का समर्थन करे: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि देश की विदेश नीति राष्ट्रहित और नागरिकों की सुरक्षा के आधार पर तय होनी चाहिए, न कि विपक्षी पार्टी की 'पुरातन सोच' की मजबूरियों से। अमित मालवीय और प्रदीप भंडारी समेत कई भाजपा नेताओं ने इस मुद्दे पर बात की और कांग्रेस को 'भारत विरोधी' बताते हुए आरोप लगाया कि मुख्य विपक्षी पार्टी बांटने वाली राजनीति करती है। सत्ताधारी पार्टी ने कहा कि विपक्ष को सिर्फ अपने वोट बैंक से प्यार है, देश और लोगों से नहीं। मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यहां तक कि चीन, जिसने सालों तक ईरान को कूटनीतिक तरीके से बचाया, छद्म आतंकी समूहों को उसकी ओर से मिलने वाले समर्थन को नजरअंदाज किया और उसका अधिकतर तेल खरीदा, वह भी अब तेहरान से दूरी बना रहा है। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख ने कहा, ह्यह्यफिर भी कांग्रेस चाहती है कि भारत आंख बंद करके ईरान का साथ दे, जबकि वह खाड़ी में अंधाधुंध गतिविधियां चलाता रहता है, जरूरी तेल आपूर्ति मार्गों को खतरा पहुंचाता है, और उस इलाके में तनाव बढ़ाता है जहां लाखों भारतीय रहते और काम करते हैं। मालवीय ने कहा कि भारत की विदेश नीति ह्यह्यदेश के हित और अपने नागरिकों की सुरक्षा से निर्देशित होनी चाहिए, न कि कांग्रेस की पुरानी पड़ चुकी सोच की मजबूरियों से। श्रीलंका के तट के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक अमेरिकी पनडुब्बी के एक ईरानी युद्धपोत को टॉरपीडो मारकर डुबोने के एक दिन बाद, कांग्रेस ने कहा कि यह चौंकाने वाला है कि मोदी सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। कांग्रेस ने दावा किया कि भारत सरकार पहले कभी इतनी डरपोक और डरी हुई नहीं दिखी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि पश्चिम एशिया का झगड़ा भारत की दहलीज तक पहुंच गया है लेकिन प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा। विपक्ष के नेता ने कहा कि देश को नेतृत्व के लिए एक मजबूत हाथ की जरूरत थी, लेकिन उसके पास एक समझौता करने वाला प्रधानमंत्री है जिसने हमारी रणनीतिक स्वायत्तता का आत्मसमर्पण कर दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता भंडारी ने अपने तीखे जवाब में कहा, भारत विरोधी कांग्रेस चाहती है कि भाजपा एक ऐसे झगड़े पर टिप्पणी करे; जिसमें वह सीधे तौर पर शामिल नहीं है; जबकि उसका अपना ट्रैक रिकॉर्ड राष्ट्रीय हित की कीमत पर चुप्पी साधने का है! उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तो कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने तब के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को निर्देश दिया था कि किसी भी मंत्री को नक्सली आतंक के कारण बेगुनाह लोगों की मौत पर दुख न जताने दें। उन्होंने कहा, टुकड़े-टुकड़े कांग्रेस भारत और भारतीयों से नफरत करती है; वोट बैंक से प्यार करती है।

ईरान ने नये सिरे से हमले शुरू करते हुए कहा

अमेरिका को बहुत पछताना पड़ेगा

दुबई, एजेंसी। ईरान ने बृहस्पतिवार सुबह इजराइल और अमेरिका के कई अड्डों पर नये सिरे से हमले किए और धमकी दी कि हिंद महासागर में ईरान के एक युद्धपोत को टॉरपीडो के हमला कर-के डुबोने के लिए अमेरिका को बहुत पछताना पड़ेगा।

ईरान के एक धार्मिक नेता ने 'ट्रंप का खून बहाने' का आह्वान किया, वहीं इजराइल ने कहा कि उसने तेहरान पर व्यापक हमला शुरू कर दिया है।

इजराइल ने कई मिसाइल से हमले होने की घोषणा करते हुए तेल अवीव और यरूशलम में सायरन बजाए। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने कहा कि हमलों में अमेरिकी अड्डों को भी निशाना बनाया गया।

इजराइली सेना ने कहा कि उसने लेबनान में ईरानियों द्वारा समर्थित हिजबुल्ला चरमपंथी समूह से जुड़े 80 ठिकानों पर पिछले 24 घंटे में हमला किया है। उसने कहा कि ईरान पर हमलों में एक बैलिस्टिक मिसाइल लांच स्थल और अन्य लक्ष्यों को निशाना बनाया गया।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी नौसेना पर हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोत आईरिस देना पर हमले के लिए समुद्र क्षेत्र में अत्याचार का आरोप लगाया। इस हमले में कम से कम 87 ईरानी मारे गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, मेरी बात लिखकर ले लो। अमेरिका को अपने किए पर 'बुरी तरह पछताना' पड़ेगा।

ईरानी सरकारी टेलीविजन ने ईरान के अयातुल्ला (धर्मगुरु) अब्दुल्ला जवादी अमोली का संदेश

बृहस्पतिवार को प्रसारित किया, जिसमें इजराइलियों और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का खून बहाए जाने का आह्वान किया गया।

अयातुल्ला ने कहा, इस दौर के इमाम कहते हैं, दमनकारी अमेरिका से लड़ो, उसके खून का जिम्मा मेरे कंधों पर है।

इस हमले की इजराइल द्वारा घोषणा किए जाने से कुछ ही समय पहले उसकी सेना ने कहा कि उसने लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्ला चरमपंथी समूह को निशाना बनाते हुए नए हमले शुरू कर दिए हैं।

अमेरिका और इजराइल ने बुधवार को ईरान के सुरक्षा बलों और प्रशासनिक संस्थानों को निशाना बनाते हुए बमबारी तेज कर दी थी।

ईरान पर हमलों की तीव्रता इतनी भीषण थी कि सरकारी टेलीविजन ने घोषणा की कि संघर्ष की शुरूआत में मारे गए ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के लिए आयोजित शोक समारोह को स्थगित करना होगा। अयातुल्ला अली खामेनेई के पूर्ववर्ती अयातुल्ला रुहोल्ला खोमैनी के अंतिम संस्कार में 1989 में लाखों लोग शामिल हुए थे। अमेरिका और इजराइल ने शनिवार को ईरान के प्रमुख नेतृत्व, मिसाइल भंडार और परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाते हुए युद्ध की शुरूआत की और यह संकेत दिया कि उनका लक्ष्य ईरान में सरकार को गिराना है। सटीक लक्ष्य और समयसीमा में बार-बार बदलाव के कारण इस युद्ध के अनिश्चित काल तक जारी रहने की आशंका है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध के मोर्चे पर शानदार प्रदर्शन के लिए बुधवार को अमेरिकी सेना की प्रशंसा की। वहीं, अमेरिकी सीनेट में उनके सहयोगी रिपब्लिकन सांसदों ने ईरान के मुद्दे पर ट्रंप का साथ दिया और युद्ध रोकने की मांग वाले प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

संघर्ष बढ़ने के साथ ही ईरान ने बहरीन, कुवैत और इजराइल पर हमले किए। तुर्किये ने कहा कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की रक्षा प्रणाली ने ईरान से दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को तुर्किये के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले ही रोक दिया।

अधिकारियों के अनुसार, इस युद्ध में ईरान में 1,000 से अधिक, लेबनान में 70 से अधिक और इजराइल में लगभग 12 लोग मारे गए हैं। युद्ध ने दुनिया भर में तेल और गैस की आपूर्ति को बाधित कर दिया है, अंतरराष्ट्रीय नौवहन बाधित हुआ है जबकि पश्चिम एशिया में लाखों यात्री फंसे हुए हैं।

ईरान के अर्द्धसैनिक 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' द्वारा 'क्षेत्र के सैन्य और आर्थिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने' की धमकी के बाद पड़ोसी देश बृहस्पतिवार को संभावित खतरों को लेकर सतर्क हैं।

कतर के गृह मंत्रालय ने कहा कि अधिकारी दोहा में अमेरिकी दूतावास के पास रहने वाले निवासियों को एहतियात के तौर पर निकाल रहे हैं, हालांकि उन्होंने इस बारे में और अधिक जानकारी नहीं दी। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर में बृहस्पतिवार सुबह लड़ाकू विमानों की आवाज सुनी गई जबकि कुवैत के तट पर हुए एक नए हमले से वाणिज्यिक जहाजों को खतरे की आशंका बढ़ गई है।

ब्रिटेन की सेना द्वारा संचालित 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर' के अनुसार, बृहस्पतिवार तड़के इलाके में एक धमाका हुआ। केंद्र ने बताया कि एक टैंकर पर हमला हुआ था लेकिन उन्होंने हमले का कारण नहीं बताया। ईरान पूर्व में जहाजों पर लिम्पेट माइंस लगाकर हमला कर चुका है।

ईरान के हमलों के कारण ओमान और होर्मूज जलडमरूमध्य से यातायात बाधित होने से तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है और इसके कारण वैश्विक शेयर बाजारों में भारी गिरावट आई है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि मंगलवार रात हिंद महासागर में एक अमेरिकी पनडुब्बी से दागे गए टॉरपीडो ने एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया। श्रीलंका के अधिकारियों ने बताया कि जहाज से 32 लोगों को बचाया गया, जबकि देश की नौसेना ने कहा कि उसने 87 शव बरामद किए हैं।

इजराइल ने कहा कि इजराइली सेना ने ईरान के आंतरिक सुरक्षा कमान से जुड़े भवनों पर भी हमला किया। इजराइल और अमेरिका का कहना है कि वे ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहते हैं।

हेगसेथ ने अमेरिकी अभियानों के लिए कोई निश्चित समयसीमा नहीं बताई। उन्होंने कहा, ह्यह्यआप कह सकते हैं कि यह चार हफ्ते भी रह सकता है और छह हफ्ते तक भी जारी रह सकता है। या फिर इसमें आठ हफ्ते भी लग सकते हैं या फिर तीन हफ्ते लग सकते हैं।

ईरान के फाउंडेशन ऑफ मार्टियर्स एंड वेटरंस अफेयस ने बुधवार को बताया कि ईरान में कम से कम 1,045 लोग मारे गए हैं। इजराइल में 11 लोगों की मौत हुई है जबकि छह अमेरिकी सैनिक मारे गए हैं। लेबनान में मरने वालों की संख्या 70 से अधिक हो गई है, जहां स्वास्थ्य मंत्रालय और सरकारी समाचार एजेंसी ने बुधवार और बृहस्पतिवार को अलग-अलग राजमार्गों पर यात्रा कर रहे दो वाहनों पर हुए अलग-अलग हमलों की सूचना दी थी, जिसमें छह लोग मारे गए थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति से की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से फोन पर बातचीत की। दोनों ने इस संकट काल में वार्ता और कूटनीतिक तरीकों से मामले को हल करने पर बल दिया। पीएम मोदी ने एक्स प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी। मध्य पूर्व संकट को लेकर हुई इस कॉल में शांति और स्थिरता बहाली को लेकर गंभीर मंत्रणा हुई। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, गुरुवार को अपने मित्र इमैनुएल मैक्रों से बात की। हमने वेस्ट एशिया में बदलते हालात पर बात की। हम दोनों ने माना कि मौजूदा संकट का समाधान केवल संवाद और कूटनीति से ही संभव है। हम इस इलाके में शांति और स्थिरता को बहाल करने के लिए इस दिशा में मिलकर अपनी कोशिश जारी रखेंगे ताकि इलाके में हालात सामान्य हों। दूसरी ओर, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और ओमान के विदेश मंत्री सैय्यद बद्र बिन हमद बिन हमूद अलबुसैदी से बात की। अमेरिका-इजरायल और ईरान जंग के छठे दिन भारत ने ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर शोक जताया। भारत सरकार की ओर से विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास जाकर खामेनेई के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने थिम्पू में भूटान नरेश से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने बृहस्पतिवार को थिम्पू में भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मुलाकात की।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस दौरान भूटान में न्यायिक प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण और विकास में तकनीकी सहायता और सर्वोत्तम प्रथाओं के विकास के लिए व्यापक समर्थन की पेशकश की।

उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि न्यायमूर्ति सूर्यकांत और भूटान नरेश ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने और इसे आगे ले जाने के बारे में चर्चा की। बयान में कहा गया है, ह्यह्यउन्होंने दोनों देशों के बीच मजबूत और दीर्घकालिक संबंधों पर चर्चा की और न्यायिक साझेदारी के रूप में सहयोग को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इसमें कहा गया है, प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने भूटान में न्यायिक प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण और अनुकूलन में तकनीकी सहायता और सर्वोत्तम प्रथाओं के विकास के लिए व्यापक और विस्तृत समर्थन प्रदान किया।

बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने साइबर अपराधों के बढ़ते प्रसार पर भी विचार-विमर्श किया और इस बात पर भी चर्चा की कि भारत और भूटान एक साथ मिलकर ऐसे अपराधों को रोकने के लिए क्या प्रयास कर सकते हैं।

राज्यसभा जाएंगे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

बिहार के सबसे लंबे समय तक सीएम रहने का कार्यकाल होगा समाप्त

पटना, आरएनएन। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करेंगे। पिछले दो दिन से बिहार में चल रही अटकलों को समाप्त करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्पष्ट किया है कि वे राज्यसभा का सदस्य बनना चाहते हैं। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि उनका नई बिहार सरकार को पूर्व सहयोग और मार्गदर्शन रहेगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'पिछले दो दशक से भी अधिक समय से आपने अपना विश्वास व समर्थन मेरे साथ लगातार बनाए रखा है, और उसी के बल पर हमने बिहार की और आप सब लोगों की पूरी निष्ठा से सेवा की है। आपके विश्वास और समर्थन की ही ताकत थी कि बिहार आज विकास और सम्मान का नया आयाम प्रस्तुत कर रहा है। इसके लिए पूर्व में भी मैंने आपके प्रति कई बार आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने अपने पोस्ट में आगे लिखा, 'संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही मेरे मन में एक इच्छा थी कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के भी दोनों सदनों का सदस्य बनूं। इसी क्रम में इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहा हूं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, मैं आपको पूरी ईमानदारी से विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपके साथ मेरा यह संबंध भविष्य में भी बना रहेगा व आपके साथ मिलकर एक विकसित बिहार बनाने का संकल्प पूर्ववत कायम रहेगा। जो नई सरकार बनेगी उसको मेरा पूरा सहयोग और मार्गदर्शन रहेगा।

गौरतलब है कि नीतीश कुमार पिछले लगभग 21 साल से बिहार के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने 2025 में 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। वे राज्य के सबसे लंबे समय तक रहने वाले मुख्यमंत्री भी हैं। साल 1985 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में वे पहली बार बिहार विधानसभा में पहुंचे थे और 1989 में पहली बार सांसद बने। नीतीश कुमार लगातार साल 1989 से लेकर 2004 तक बाढ़ निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा का चुनाव जीतते रहे। पहली बार मार्च 2000 में उन्होंने मुख्यमंत्री पद संभाला। उस समय बहुमत न मिल पाने पर 7 दिन में सरकार गिर गई थी। साल 2001 से 2004 के बीच वे केंद्रीय कैबिनेट मंत्री रहे और रेल मंत्रालय संभाला। जीतन राम मांझी के छोटे से कार्यकाल (20 मई 2014 से 20 फरवरी 2015) को छोड़कर नीतीश कुमार 2005 से वे अब तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं।

300 बेड के KDSG सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का किया गया उद्घाटन

योगेंद्र कुमार

उत्तर प्रदेशः हॉस्पिटल की चिकित्सा व्यवस्था कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स और क्रिटिकल केयर मेडिसिन चार प्रमुख केंद्र ऑफ एक्सीलेंस पर है। आधारित केडीएसजी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के शुभारंभ से एनसीआर के लोगों को किफायती और आदर्श स्वास्थ्य सेवाओं का मिलेगा लाभ। कडीएसजी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के शुभारंभ से लगभग 1000 युवाओं को रोजगार के अवसर होंगे प्राप्त। देश की अर्थव्यवस्था में ग्रोथ इंजन के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है उत्तर प्रदेश। स्वास्थ्य सेवा की परिभाषा केवल आधुनिक सुविधाओं से नहीं, बल्कि सस्ती, सुलभ और विश्वसनीय सेवा से होनी चाहिएः मा0 मुख्यमंत्री। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा (वेस्ट) के सेक्टर-10 में 300 बेड वाले फुल स्पेक्ट्रम टर्शरी केयर प्रदान करने वाले केडीएसजी सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल का रिबन काटकर विधिवत रूप से उद्घाटन किया। इस दौरान मा0 मुख्यमंत्री जी ने अस्पताल में स्थापित अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। यह अस्पताल एन0सी0आर0 में हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और

तेजी से विकसित हो रहे शहरी इलाकों में उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधा बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह अस्पताल भारत की 1983 विश्व कप विजेता क्रिकेट टीम के कप्तान कपिलदेव और उद्योगपति सुनील कुमार गुप्ता द्वारा स्थापित किया गया है।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने भारत के गौरव, जिनके नेतृत्व में देश ने विश्व कप जीता, ऐसे महान क्रिकेटर कपिल देव जी को और उद्योगपति सुनील कुमार गुप्ता जी सहित उनके पूरे समूह को, इस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की स्थापना के लिए हृदय से बधाई और शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि गौतम बुद्ध नगर जनपद के ग्रेटर नोएडा में इस अत्याधुनिक अस्पताल की स्थापना से केवल इस जनपद के नागरिकों को ही नहीं, बल्कि आसपास के अन्य जनपदों और पूरे एनसीआर क्षेत्र के लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ प्राप्त होंगी। मा0 मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण योजनाएँ प्रारंभ हुई हैं, जिनमें से आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से देश के करोड़ों गरीब और जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। आज देश में लगभग 60 करोड़ से अधिक लोग इस योजना का लाभ ले रहे हैं, जिसमें उत्तर प्रदेश इस योजना के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य बना है। उत्तर प्रदेश में अब तक 05 करोड़ 60 लाख से अधिक गोल्डन कार्ड बनाए जा चुके हैं। जो भी व्यक्ति पात्रता सूची में आता है, वह किसी भी सूचीबद्ध सरकारी या निजी अस्पताल में जाकर इस योजना के तहत उपचार प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा की परिभाषा केवल आधुनिक सुविधाओं से नहीं, बल्कि सस्ती, सुलभ और विश्वसनीय सेवा से होनी चाहिए।

मरीज को सही उपचार मिले, किसी प्रकार की अनियमितता या शोषण न हो, और उसे डॉक्टर तथा अस्पताल पर पूरा विश्वास हो। उन्होंने कहा जब कोई मरीज डॉक्टर के पास आता है तो वह एक विश्वास के साथ आता है, डॉक्टर का व्यवहार, उसकी सलाह और उसका आचरण मरीज के मनोबल को बढ़ाता है। कई बार डॉक्टर का अच्छा व्यवहार ही मरीज की आधी बीमारी समाप्त कर देता है। स्वास्थ्य सेवा में दवा और दुआ, दोनों का महत्व होता है। जब डॉक्टर समर्पण से सेवा करते हैं तो उन्हें मरीजों की दुआ मिलती है और मरीज को सही दवा मिलने से वह शीघ्र स्वस्थ होता है। इससे अस्पताल और डॉक्टर दोनों की प्रतिष्ठा बढ़ती है।

मा0 मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े स्तर पर परिवर्तन हुए हैं। वर्ष 2014 तक देश में केवल 6 एम्स ही कार्य कर रहे थे, जबकि आज देशभर में 23 एम्स और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य संस्थान कार्यरत है। उत्तर प्रदेश में भी स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन हुआ है। वर्ष 2017 से पहले राज्य में सरकारी क्षेत्र में केवल 17 मेडिकल कॉलेज संचालित थे। आज हमने ह्लवन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेजह्व के लक्ष्य को लगभग प्राप्त कर लिया है और वर्तमान में प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। यदि केडीएसजी समूह भविष्य में मेडिकल कॉलेज के क्षेत्र में भी आगे आना चाहता है, तो प्रदेश सरकार उनका स्वागत करेगी, क्योंकि इससे मेडिकल प्रोफेशनल्स तैयार करने में भी मदद मिलेगी और स्थानीय नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ भी मिलेंगी। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल केवल सेवा का माध्यम ही नहीं, बल्कि रोजगार का भी एक बड़ा अवसर बनेगा। 300 बेड के इस अस्पताल में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कम से कम 1000 लोगों को रोजगार मिलेगा, जिसमें डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, टेक्निशियन सहित अन्य कर्मचारी शामिल होंगे।

मा0 मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने आयुष्मान भारत के साथ-साथ राज्य के सरकारी कर्मचारियों के अतिरिक्त 5 लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के शिक्षक, अनुदेशक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा बहनें, शिक्षामित्र, अनुदेशक और बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों को भी यह सुविधा प्रदान की गई है। यदि कोई पात्र व्यक्ति आयुष्मान भारत या मुख्यमंत्री योजना के अंतर्गत कवर नहीं हो पाता है, तो उसे मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता प्रदान की जाती है। पिछले एक वर्ष में मुख्यमंत्री राहत कोष से लगभग 1300 करोड़ रुपये की सहायता प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में मरीजों को दी गई है। उत्तर प्रदेश आज तेजी से विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

होली पर कुसुम भाटी ने पैदल मार्च कर की सुरक्षा और शराब न चलाने की अपील

अनिल

हरियाणाः सहारनपुर एक तरफ पुलिस प्रशासन है जो नागरिकों के लिए अपने त्योहार को नजरअंदाज करके आम नागरिकों के लिए कानून व्यवस्था बनाने के लिए रोड पर खड़े होकर हमारी सुरक्षा करता है और इस होली पर भी सहारनपुर महिला थाना प्रभारी निरीक्षक कुसुम भाटी स्वंम ही अपने अधीनस्थ को लेकर क्षेत्र में पैदल ग्रस्त कर सुरक्षा का भरोसा दिल रही है।

होली पर्व के मद्देनजर महिला थाना प्रभारी निरीक्षक कुसुम क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के स्वयं पुलिस टीम के साथ मुस्तैदी से ड्यूटी को अंजाम देते हुए पैदल मार्च किया।इस दौरान, पुलिस ने क्षेत्र में भ्रमण कर आमजन से संवाद स्थापित किया। सभी नागरिकों से सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने की अपील की गई।किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को रोकने के लिए संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग भी की गई तथा महिला थाना प्रभारी ने सभी से अपील की है कि शराब पीकर वाहन न चलाएं।पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया हुआ है कि त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

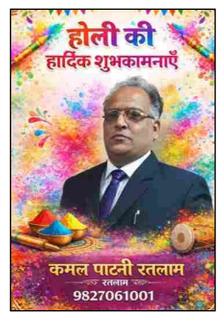

एसपी ने किया फ्लैग मार्च, होली-रमजान पर की गई शांति की अपील

अंकित कुमार

उत्तर प्रदेशः एसपी ने जमानिया में किया फ्लैग मार्चः होली-रमजान पर शांति बनाए रखने की अपील, हुड़दंगियों को चेतावनीगाजीपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ईरज राजा ने मंगलवार को जमानिया कोतवाली क्षेत्र में व्यापक पैदल गश्त और फ्लैग मार्च किया। यह कार्रवाई होली, रमजान और अन्य आगामी त्योहारों के मद्देनजर कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से की गई। एसपी ने कस्बों, मुख्य मार्गों, बाजारों, मिश्रित आबादी वाले इलाकों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया और असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने लोगों से होली और रमजान के दौरान आपसी सौहार्द, भाईचारा तथा पारस्परिक सम्मान बनाए रखने की अपील की। एसपी ने त्योहारों को परंपरागत, शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का आग्रह किया।ईरज राजा ने

चेतावनी दी कि होली के दौरान शराब पीकर हुड़दंग करने, डीजे पर निर्धारित ध्वनि सीमा का उल्लंघन करने, या किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक या आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनपद में निकलने वाली होली की बारात एवं शोभायात्राओं के लिए सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा भी की और होलिका दहन स्थलों का निरीक्षण किया।

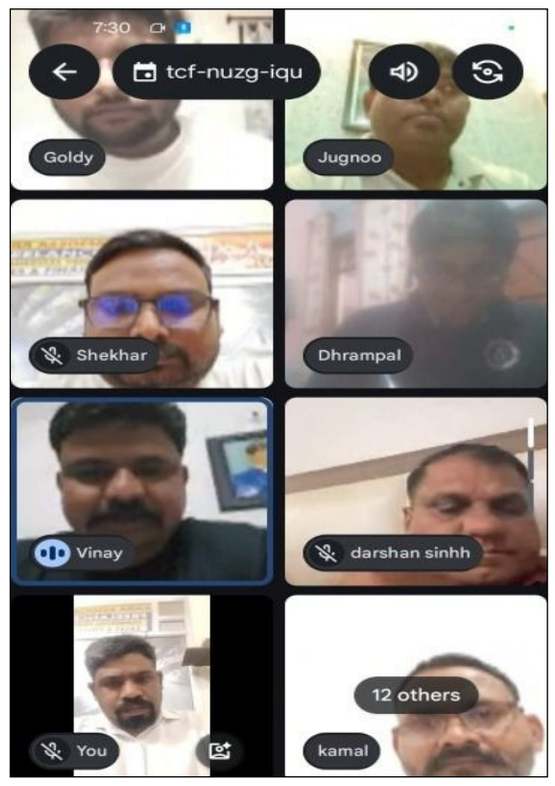

पैदल गश्त के उपरांत थाना जमानिया परिसर में पत्रकारो संग होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसपी ईरज राजा ने पुलिस परिवार, स्थानीय संभ्रांत नागरिकों और अधिकारियों के साथ फूलों, अबीर और गुलाल से होली खेलकर आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। अपने संबोधन में एसपी ने कहा कि होली का पर्व प्रेम, एकता और सद्भाव का प्रतीक है, जिसे सभी को मर्यादित और शांतिपूर्ण ढंग से मनाना चाहिए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), क्षेत्राधिकारी जमानिया अनिल कुमार, प्रभारी निरीक्षक जमानिया राम सजन नागर, स्टेशन चौकी प्रभारी अश्वनी प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं

36 वर्ष की सेवा के बाद सहायक ग्रेड-2 ललन प्रसाद यादव को दी गई गरिमामय विदाई

प्रभेश मिश्रा

छत्तीसगढ़ः सूरजपुर जिला एवं सत्र न्यायालय जिला सूरजपुर में पदस्थ श्री ललन प्रसाद यादव, सहायक ग्रेड-2 में 28 फरवरी 2026 को सेवानिवृत्ति के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम में विदाई दी गई। श्री ललन प्रसाद यादव का जन्म 05 फरवरी 1964 को हुआ था। श्री यादव द्वारा 09 जनवरी 1990 को अविभाजित मध्यप्रदेश के सतना जिले से न्याय विभाग में अपनी सेवा की शुरूआत की गई। छत्तीसगढ़ राज्य का अस्तित्व आने के पश्चात उनका स्थानान्तरण जिला एवं सत्र न्यायालय अम्बिकापुर में किया गया। 02 अक्टूबर 2013 को जिला स्थापना अम्बिकापुर से पृथक होकर जिला सूरजपुर अस्तित्व में आया। तत्समय श्री यादव की पदस्थापना सूरजपुर में प्रस्तुतकार के रूप में हुई। उन्होंने 36 वर्षों से भी अधिक समय तक अपनी सेवायें न्याय विभाग को प्रदान की। श्री ललन प्रसाद यादव के विदाई समारोह का आयोजन जिला न्यायालय सूरजपुर के

सभागार में किया गया।

इस अवसर पर न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय श्रीमती डॉ. प्रज्ञा पचौरी, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर, द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री सुमीत हर्षयाना, तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री डायमंड कुमार गिलहरे, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री डी.एस. बघेल, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी श्रीमती रूचि आशीष मिश्रा, चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी श्री आशीष भगत, चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी कु. हिमांशी सर्राफ, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री पायल टोपनो, जिला एवं सत्र न्यायालय सूरजपुर के समस्त कर्मचारी गण एवं कुटुम्ब न्यायालय सूरजपुर के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। श्री ललन प्रसाद यादव, की सेवानिवृत्ति के दिन ही कार्यालय द्वारा उन्हें पेंशन भुगतान आदेश, ग्रेज्यूटी, सामान्य भविष्य निधि, अवकाश नगदीकरण, समूह बीमा योजना आदि समस्त स्वत्वों का भुगतान का आदेश जारी किया गया। इस कार्य के लिये सेवानिवृत्त कर्मचारी श्री ललन प्रसाद यादव द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश का आभार व्यक्त किया गया।

पुलिस का होली मिलन समारोह, एसपी ने जवानों को दी शुभकामनाएं

रितेश/हरियाणाः सिरसा एसपी दीपक सहारन, के आवास पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पुलिस के अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी जवानों को तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं तथा उनके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर डीजे व ढोल की धुन पर अधिकारियों एवं जवानों ने एक-दूसरे के साथ रंगों के इस पावन पर्व का आनंद लिया और आपसी भाईचारे व सौहार्द का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में एएसपी फैसल खान, प्रशिक्षु आईपीएस शिवम यादव, डीसीपी संजीव बल्हारा सहित जिला के सभी थाना एवं चौकी प्रभारी तथा बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। समारोह का वातावरण पूरी तरह उत्साह, उमंग और पारिवारिक सौहार्द से ओत-प्रोत रहा। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने इस अवसर पर सभी पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों व आमजन को होली की

हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस प्रकार होली को रंगों का त्योहार कहा जाता है, उसी प्रकार यह पर्व सभी के जीवन में उन्नति, सफलता, समृद्धि और खुशहाली के विविध रंग लेकर आए। उन्होंने कहा कि त्योहार हमें आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश देते हैं तथा समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

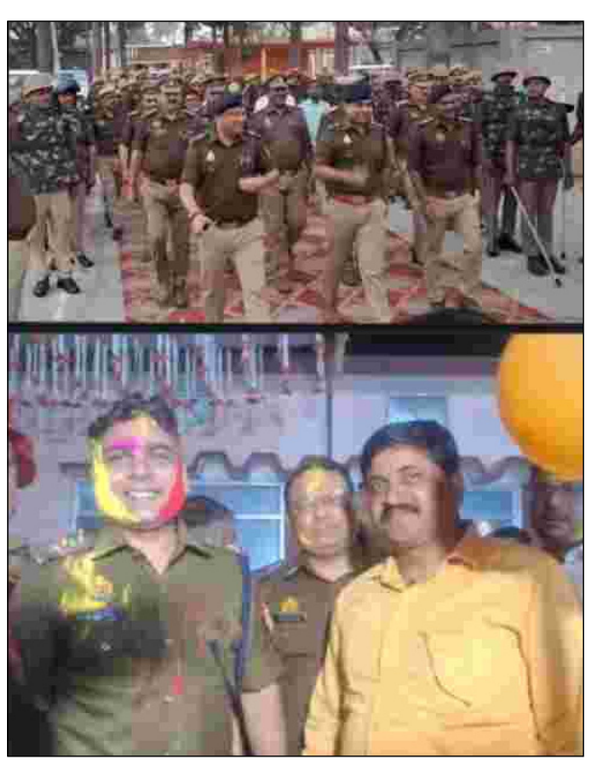

उन्होंने जिला के समस्त नागरिकों को भी होली की बधाई देते हुए अपील की कि सभी लोग इस पावन पर्व को शालीनता, सादगी और भाईचारे के साथ मनाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि होली के अवसर पर जिला पुलिस पूरी तरह सतर्क एवं अलर्ट मोड पर है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं तथा संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शराब पीकर वाहन चलाने, तेज गति से ड्राइविंग करने तथा हुड़दंगबाजी कर शांति भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

शामली में रंगोत्सव और होली धूमधाम से मनाई गई

गौरव कुमार/उत्तर प्रदेशः जनपद शामली कस्बा झिंझाना के वार्ड 1,में आपसी भाईचारे एंव प्रेम प्रतीक के रूप में विकसित रंगोत्सव पर रंगों के मधुर त्योहार की पावन बेला पर बालिकाओं व सामाजिक महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक हर्षोल्लास व नई उमंगों के साथ मिलकर धूमधाम से होली पूजन तथा होलिका दहन के उपरांत रंगों गुलाल, अबीर से होली खेली। जिसकी वजह से त्योहार की शोभा में चार चांद लगाए गए,और त्योहार के महत्व को प्यार के अनेक रंगों से और अधिक शोभायमान बनाया गया। नगर की गलियां व सडकें सब होली में रंगों में रंगीन दिखाई दी। बाजारों में होली के पूजनीय एंव खेलने के सामान से सजी हुई दुकानें एक महत्वपूर्ण अद्भुत दृश्य समेटे हुए रही, जिससे एक शोभायमान नजारा देखने को मिला। रंगोत्सव से देर शाम तक रंगों व खुशियों की खुमारी छाई रही। अनेकों नागरिकों ने अपने घरों पर डीजे बजाकर होली का आंनद लिया। इस रंगोत्सव के अवसर पर मुख्य रूप से सुधा टांक, स्वीटी,महक,ज्योति,शिवानी,मुस्कान, पलक, और रुद्र सौदाई आदि शामिल रहे।

बैंकरों की पेंशन फंड कमी पर सवाल, निभाएँ बैंक जिम्मेदारी

कमल पाटनी/मध्य प्रदेशः बैंकिंग क्षेत्र में पेंशन योजना कोई दान या अनुग्रह नहीं है, बल्कि यह सेवा शर्तों का वैधानिक हिस्सा है। जब कोई कर्मचारी अपने जीवन के 30झ40 वर्ष बैंक को देता है, तो सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक पेंशन उसकी विधिक और नैतिक दोनों प्रकार की हकदारी है। प्रत्येक बैंक की यह वैधानिक जिम्मेदारी है कि वह अपने पेंशन फंड ट्रस्ट में प्रतिवर्ष एक्चुअरियल वैल्यूएशन (अू३४१ं' श्'४३ङ्मल्ल) के अनुसार आवश्यक योगदान जमा करे। यदि फंड में कमी (रँङ्म१३ां'') पाई जाती है, तो उसे पूरा करना नियोक्ता (बैंक) का दायित्व है, न कि पेंशनर्स का, लेकिन बार-बार यह कहा जाता है कि ह्लपेंशन अपडेशन संभव नहीं क्योंकि पेंशन फंड में कमी है।ह्व यह तर्क कई प्रश्न खड़े करता है। यदि कमी है, तो उसे वर्षों से क्यों नहीं भरा गया? क्या फ्इक और नियामकीय संस्थाओं को वास्तविक स्थिति बताई गई। क्या बैंक अपने लाभांश और बोनस में कटौती करते हैं? क्या प्रबंधन ने अपनी जवाबदेही स्वीकार की। सेकंड पेंशन ऑप्शन झ 30% बनाम 70% का प्रश्न, सेकंड पेंशन ऑप्शन के समय पेंशनर्स से उनके हिस्से का लगभग 30% योगदान वसूला गया। फंड की कथित कमी का हवाला दिया गया। लेकिन बैंकों का 70% अंशदान – क्या पूर्ण रूप से जमा हुआ।

भीम आर्मी ने 15 मार्च को कांशीराम जन्मदिवस और पार्टी स्थापना दिवस मनाने का लिया निर्णय

अनिल/हरियाणाः भीम आर्मी हरियाणा की प्रदेश स्तरीय गूगल मीट पर मीटिंग माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन जी के नेतृत्व में व माननीय कमल कुमार बराड़ा जी (प्रदेश अध्यक्ष, हरियाणा) की अध्यक्षता एवं नेतृत्व में सम्पन्न हुई। मीटिंग में हरियाणा स्टेट बॉडी के सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 15 मार्च को बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम साहब का जन्मदिवस एवं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) का स्थापना दिवस पूरे हरियाणा प्रदेश में जिला स्तर पर बड़े ही उत्साह, जोश और धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। सभी जिला, ब्लॉक एवं बूथ स्तर के पदाधिकारियों से अपील है कि वे अधिक से अधिक संख्या में साथियों को जोड़कर जिलास्तरीय कार्यक्रम को ऐतिहासिक और सफल बनाएं।

मजदूरी न मिलने से गरीब परिवार होली मनाने से वंचित, बच्चों में छाई निराशा

दिलीप कुमार/बिहारः नगर परिषद कार्यालय के कार्यपालक पदाधिकारी एवं नगर परिषद के सभी कार्यालय कर्मी को मेरे तरफ से होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। विशेष बात यह हैं कि हम जैसे गरीब मजदूर का वेतन इस पावन पर्व होली में जो मेरे मजदुरी की राशि को जो नहीं दिया गया। उससे मैं काफी दुःखी हूं कि आज सभी लोग अपने अपने घर में होली पर्व मना रहे हैं। लेकिन मैं और मेरे घर परिवार वो बच्चे इस होली पर्व को मनाने से वंचित हु क्योंकि आज मजदुरी की राशि विभाग द्वारा मिलता तो आज हमलोग भी अपने परिवार वो बच्चे के साथ इस पर्व को मनाने में सक्षम होता।क्या आप सभी को अनुचित लगा तो फिर सब ठीक हैं।मैं अपने बच्चों को रंग अबीर वो पिचकारी वो वस्त्र देने में भी असमर्थ हूं। बच्चे भी दुःखी है। जिसका वर्णन भी मैं नहीं कर सकता हूं।

पूर्वजों के हत्यारों की पूजा बंद कर असली इतिहास को पहचाने

अंकित कुमार

उत्तर प्रदेश: कोई आपके पिता या दादा की हत्या कर दे तो आप उस अपराधी से बदला लेने की सोचेंगे या उस आदमी की पूजा करेंगे , बेशक बदला लेने की सोचेंगे। तो फिर क्यों आज हम अपने पूर्वजो के हत्यारो से बदला लेने की बजाय उनकी पूजा करते आ रहे है। हमारे भारत देश पर अंग्रेजो और मुगलो से भी सैकड़ों साल पहले (2500-4500 ८१२. ॅड्ड) यूरोप और एशिया बार्डर यानि मध्य यूरेशिया की वोल्गा नदी के तट पर रहने वाले लोगो ने आक्रमण किया था । हमारे देश पर आक्रमण करने वाले पहले विदेशी यही "आर्य" ब्रामण लोग थे । ये लुटेरे/डकैत भारत मे गड़रिये/बकरीबाज का रूप धर कर आए थे, और फिर ये धीरे धीरे भारत के छोटे बड़े हिस्सो पर हमला करते गए और उस हिस्से को अपना गुलाम बनाते गए , घोड़ा(लड्ड१री)और गरुड़ पक्षी भारत मे नहीं पाये जाते थे, ये विदेशी आर्य उन्हे अपने साथ लेकर आए थे। हमारी सेना पैदल हुआ करती थी और ये लुटेरे घुड़सवार हुआ करते थे , इसलिए हमारी सेनाएँ लड़ाई मे कमजोर पड़ती गयी और इन होने धीरे-धीरे लगभग पूरे देश के हिस्से मे अपना प्रभाव जमा लिया । साथ ही साथ ये भारत मे पहले से मौजूद महान और विकसित सिन्धु घाटी सभ्यता और हमारी मोहन-जोदड़ो और हड़प्पा संस्कृति को नष्ट करने लगे

और जहां जहां नष्ट नहीं कर पाये वहाँ उसका रूप विकृत कर उसको अपने मतलब/फायदे के हिसाब से ढालने लगे और अपने द्वारा रचे गए घटिया और काल्पनिक वेद - पुराण के हिसाब से नया इतिहास बनाने लगे जो सिर्फ उनको श्रेष्ठ साबित करता था। हमारा होली का त्योहार भी हमारे देश के महान मूलनिवासी राजाओ और विदेशी आर्य लुटेरो के बीच हुए संघर्ष की एक गाथा है , प्राचीन काल मे हमारे देश के कश्यप राजा रहे हिरण्यकश्यप और उसके परिवार की कहानी कहता है हमारा होली का त्योहार।

ऐतेहासिक गाथा के अनुसार हमारे मूलनिवासी राजा "हिरण्यकश्यप" बहुत पराक्रमी हुआ करते थे , राजा हिरण्यकश्यप ने विदेशी हिंसक ग्रंथ वेद-पुराणों की नीति को अपने यहा लागू नहीं होने दिया और अपना प्राचीन मूलनिवासी और नागवंशी धर्म ही मानते रहे जिसकी वजह से विदेशी आर्य लुटेरे उनके राज्य पर कब्जा नहीं कर पा रहे थे तो उन्होने अपनी हमेशा की छल और बहरूपिये वाली नीति अपनाने की कोशिश की जिसके सहारे वो हमारे देश मे घुसे थे । उन्होने राजा हिरण्यकश्यप के साथ छल/धोखा करके उनकी हत्या तो कर दी लेकिन उस राज्य की प्रजा ने भी विदेशी आर्य लुटेरों की सत्ता को स्वीकारने से इंकार कर दिया । तो उन्होने "हिरण्यकश्यप" के अल्पायु पुत्र "प्रहलाद" को ही राजा बनाने की योजना बनाई लेकिन साथ ही उन्होने ये सोचा की प्रहलाद को विदेशी आर्य ग्रंथो वेद-पुराणों की शिक्षा देकर उसे अपने वश मे कर लेंगे जिससे प्रजा की नजर मे तो राजा प्रहलाद ही रहेगा लेकिन वो काम उन लुटेरों के फायदे का करेगा । लेकिन उनके इस षड्यन्त्र का पता "होलिका" को चल गया था तो वो प्रहलाद को बचाने के लिए उसको अपने साथ लेकर सुरक्षित स्थान की ओर चल दी लेकिन उन आर्य लुटेरों की कुटिल नजरों से वो नहीं बच पाई और उन आर्य लोगो ने निहत्थी होलिका को जिंदा जलाकर उसको मार डाला। हम होली अपने महान राजा हिरण्यकश्यप और वीर होलिका के बलिदान को याद रखने हेतु शोक दिवस के रूप मे मनाते थे और जिस तरह मृत व्यक्ति की चिता की हम आज भी परिक्रमा करते है और उस पर गुलाल डालते है ठीक वही काम हम होली मे होलिका की प्रतीकात्मक चिता जलाकर और उस पर गुलाल डालकर अपने पूर्वजो को श्रद्धांजलि देते आ रहे थे ताकि हमे याद रहे की हमारी प्राचीन सभ्यता और मूलनिवासी धर्म की रक्षा करते हुए हमारे पूर्वजो ने अपने प्राणो की आहुति दी थी । लेकिन इन विदेशी आर्य लुटेरों ने हमारे इस ऐतेहासिक तथ्य को नष्ट करने के लिए उसको तोड़ मरोड़ दिया और उसमे काल्पनिक "विष्णु" और उसका बहरूपिये पात्र "नृसिंह अवतार" की कहानी घुसेड़ दी । और जिसकी वजह से आज हम अपने ही पूर्वजो को बुरा और राक्षस मानते आ रहे है , और इन लुटेरों को भगवान मानते आ रहे है। ये विदेशी आर्य असल मे अपने आपको "सुर" कहते थे और हमारे भारत के लोगो और हमारे पूर्वज राजाओ की बेइज्जती करने के लिए उनको "असुर" कहा करते थे । और इन लुटेरों/डकैतो की टोली के मुख्य सरदारो को इन्होने भगवान कह दिया और अलग अलग टोलियो/सेनाओ के मुखिया/सेनापतियों को इन्होने भगवान का अवतार दिखा दिया अपने इन काल्पनिक वेद-पुराणों मे । और इस तरह ये विदेशी आर्य हमारे भारत के अलग-अलग इलाको मे अपने लुटेरों की टोली भेजते रहे और हमारे पूर्वज राजाओ को मारकर उनका राजपाट हथियाते रहे और उसी क्रम मे इन्होने हमारे अलग-अलग क्षेत्र के राजाओ को असुर घोषित कर दिया और वहाँ जीतने वाले सेनापति को विभिन्न अवतार बता दिया।

आज इससे ज्इससे ज्यादा दुख की बात क्या होगी की पूरा देश यानि की हम लोग इनके काल्पनिक वेद-पुराणों मे निहित नकली भगवानों याने हमारे पूर्वजो के हत्यारो को पूज रहे है और अपने ही पूर्वजो को हम राक्षस और दैत्य मानकर उनका अपमान कर रहे है। याद रहे की वेदो और पुराणों मे लिखा है की सारे भगवान "लाखो" साल पुराने है और भगवान अश्व अर्थात घोड़े की सवारी किया करते थे और विष्णु का वाहन "गरुड़" पक्षी है लेकिन "घोड़ा(हॉर्स)" और गरुड़ पक्षी भारत मे नहीं पाये जाते थे , ये विदेशी आर्य उन्हे कुछ "सैकड़ों" साल पहले अपने साथ लेकर आए थे , जिससे ये साबित होता है की ये विष्णु और उसके सारे अवतार काल्पनिक है और इन्होने अपनी बनाई हुई सेना के राजाओ और सेनापतियों को ही भगवान और उनका अवतार घोषित किया है। अब समय आ गया है की हम अपने देश का असली इतिहास पहचाने और अपने पूर्वज राजा जो की असुर या दैत्य ना होकर वीर और पराक्रमी महान पुरुष हुआ करते थे उनका सम्मान करना सीखे और जिन्हे हम भगवान मानते है दरअसल वो हमारे गुनहगार है और हमारे पूर्वजो के हत्यारे है जिनकी पूजा और प्रतिष्ठा का हमे बहिष्कार करना है।

हरसमय पोर्टल से ऑनलाइन पुलिस सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाने की करी अपील

राममेहर

हरियाणा: पुलिस अधीक्षक हांसी श्री अमित यशवर्धन, भा.पु.से. ने आमजनता से अपील है कि वे हरियाणा पुलिस के 'हरसमय' पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध ऑनलाइन नागरिक सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि इस पोर्टल के जरिए नागरिक बिना किसी देरी के निर्धारित समयावधि में अपनी आवश्यक सेवाएं आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। पुलिस अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में हरसमय पोर्टल पर 33 प्रकार की विभिन्न नागरिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इनमें सूचना का अधिकार आवेदन, गुमशुदा संपत्ति की जानकारी, शिकायत दर्ज करवाना तथा विभिन्न प्रकार के सत्यापन जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं शामिल हैं। नागरिक इन सेवाओं का लाभ ऑनलाइन माध्यम से घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं, जिससे समय की बचत के साथ-साथ कार्यप्रणाली में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होती है।

पुलिस अधीक्षक श्री अमित यशवर्धन ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे अपने नौकरों, घरेलू सहायकों तथा कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन अवश्य करवाएं, ताकि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि या अप्रिय घटना से बचाव किया जा सके और समाज में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस आमजन की सुविधा और सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का लगातार उपयोग कर रही है तथा नागरिकों से भी अपेक्षा है कि वे इन ऑनलाइन सेवाओं का अधिक से अधिक उपयोग करें।

होली हर्षोल्लास और सुरक्षा व्यवस्था के साथ शांतिपूर्वक हुआ संपन्न

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: सहारनपुर आपसी भाईचारे और प्रेम का प्रतीक रंगों का होली पर्व जनपद में हर्षोल्लास और नई उमंग के साथ मनाया गया। सुबह से ही लोगों में त्योहार को लेकर उत्साह देखने को मिला। घरों में तरह-तरह के व्यंजन बनाए गए और लोगों ने एक-दूसरे के घर पहुंचकर अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। गली-मोहल्लों में डीजे की धुन पर युवाओं ने जमकर नृत्य किया। कई स्थानों पर लोगों ने अपने घरों पर ही डीजे की व्यवस्था की थी। चाट, पकौड़ी, गुजिया और शीतल पेय पदार्थों के साथ होली का आनंद लिया गया। अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी अपने-अपने आवासों पर रंगोत्सव में शामिल हुए। देर शाम तक रंगों की खुमारी छाई रही। हालांकि कुछ स्थानों पर मामूली कहासुनी की घटनाएं सामने आईं, लेकिन कुल मिलाकर पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। दुल्हेंडी पर पुलिस अलर्ट, एसपी ग्रामीण ने किया क्षेत्र भ्रमण होली दुल्हेंडी पर्व के दृष्टिगत जनपद में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वारा देवबंद, नानौता और गंगोह थाना क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया गया।

प्रमुख चौराहों, बाजारों और संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी गई। ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। साथ ही त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अराजकता, हुड़दंग या कानून-व्यवस्था भंग करने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जनपद के सभी क्षेत्राधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार गश्त करते रहे। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पैदल गश्त और वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस प्रशासन ने जनपद वासियों से अपील की कि होली का पर्व आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। पुलिस की सक्रियता के चलते जनपद में होली का त्योहार शांतिपूर्वक और सकुशल संपन्न हुआ।

रामजानकी मंदिर से चोरी हुई मूर्तियों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

रानू

उत्तर प्रदेश: महोबा जनपदीय पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह के नेतृत्व में अपर पुलिस अधीक्षक वन्दना सिंह के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी कुलपहाड़ रविकांत गोंड के पर्यवेक्षण में थाना अजनर पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पुरवा पनवाड़ी स्थित रामजानकी मंदिर से मूर्तियों के धनुष चोरी होने के संबंध में पंजीकृत मुकदमा धारा 305(डी)/331(4) बीएनएस से संबंधित अज्ञात चोरों की घटना का अनावरण किया गया। घटना के अनावरण हेतु थानाध्यक्ष अजनर सुभाष चन्द्र द्वारा थाना स्तर पर टीमों का गठन किया गया।

गठित पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर ग्राम पंचायत सचिवालय के पास बने पार्क, ग्राम पुरवापनवाड़ी से 02 संदिग्ध व्यक्तियों को पुलिस हिरासत मे लेकर पूछताछ की गयी। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से रामजानकी मंदिर से चोरी गए श्री राम एवं लक्ष्मण जी की मूर्तियों के 02 अदद पीली धातु के धनुष

बरामद किए गए।गिरफ्तार अभियुक्तगण- हल्लू अहिरवार पुत्र हद्दू उर्फ हरदयाल उम्र लगभग 35 वर्ष एवं भगवानदास रैकवार पुत्र प्रभुदयाल उम्र लगभग 32 वर्ष निवासीगण ग्राम पुरवा पनवाड़ी थाना अजनर जनपद महोबा, पूछताछ के दौरान अभियुक्तों द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों के नाम प्रकाश में आए- सचिन राजपूत पुत्र मूलचन्द्र,जीतेन्द्र राजपूत पुत्र सत्यदेव राजपूत,श्याम सुन्दर राजपूत पुत्र परमेश्वरी दयाल निवासीगण-ग्राम बमरारा थाना चरखारी जनपद महोबाबरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2)/3(5) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई है। प्रकाश में आए शेष वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु गठित पुलिस टीम द्वारा सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। शीघ्र ही अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

विधायक राजीव गुंबर के आवास पर भव्य होली मिलन समारोह हुआ आयोजित

राकेश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेश: रंग, उमंग और अपनत्व की होली: सहारनपुर में नगर विधायक के आवास पर सजा रंगों की होली का भव्य दरबार, जब भक्ति और शक्ति के संग थिरके कदम: राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी विधायक राजीव गुंबर विधायक देवेंद्र निम महापौर डाक्टर अजय पंजाबी समाज के अध्यक्ष पाली कालड़ा का दिखा अनोखा अंदाज। सहारनपुर के नगर विधायक राजीव गुंबर के आवास पर होली मिलन का कार्यक्रम हुआ विधायक राजीव गुंबर और उनके पुत्र नेआए हुए सभी अतिथियों का स्वागत गुलाल लगाकर किया और सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

विधायक राजीव गुंबर ने सोशल मीडिया के माध्यम से भी जनपदवासियों को होली की बधाई देते हुए कहा कि यह रंगों का त्यौहार आपसी प्रेम और भाईचारे का प्रतीक है। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकताओं ने एक-दूसरे को रंग लगाकर और मिठाई खिलाकर इस पर्व का आनंद लिया।आज विधायक के आवास पर मंत्रीजसवंत सैनी विधायकदेवेंद्र

निम महापौर डाक्टर अजय सिंह भाजपा महानगर अध्यक्ष शीतल बिश्नोई पूर्व अध्यक्ष राकेश जैन फ्रर सहारनपुर प्रमुखआशुतोष पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा पंजाबी समाज अध्यक्ष पाली कालड़ा शीतल टंडन सुषमा बजाज महेंद्र सचदेवा बीजेपी पदाधिकारियों ,पार्षद, अधिकारियों ,डाक्टरों ,पत्रकारों सहित समाज के अन्य प्रमुख लोगों ने भागेदारी की।

एक नजर

कॉलोनी में कुत्तों के हमले से बछड़े की मौत, नगर निगम टीम ने संभाला मामला

राकेश कुमार शर्मा/उत्तर प्रदेश: आज सुबह सोनिया विहार भरत विहार कॉलोनी में कुत्तों ने एक मासूम बछड़े को नोच नोच कर खा रहे थे, जैसे ही कॉलोनी वासियों ने देखा तभी मानव अधिकार की सचिव श्रीमती पारुल शर्मा ने फोन पर जानकारी दी की बछड़े को कुत्ते खा रहे हैं। जाकर देखा तो बछड़े को दो जगह से फाड़ रखा था जिस कारण बछड़े की मौत भी हो गई। कॉलोनी वासियों ने उन कुत्तों को हटाया और नगर निगम में डॉक्टर संदीप मिश्रा जी को फोन पर अवगत कराया डॉक्टर साहब श्री संदीप मिश्रा जी ने तुरंत संज्ञान लिया ओर तुरंत ही उन्होंने अपनी टीम को रवाना किया। टीम ने आकर बछड़े को गाड़ी में रखकर यहां से लेकर गए और उसको गड्ढा खोदकर मिट्टी में दबा दिया गया। डॉक्टर साहब की मानवता का परिचय दिया इस मानवता से सभी कॉलोनी वासी उनके आभारी है। राजकुमार शर्मा राकेश कुमार शर्मा रजत अग्रवाल राहुल रुहेला कविता छवि पारुल चिराग वशिष्ठ राहुल पुंडीर अरविंद कुमार संजय शर्मा गौरव शर्मा लव शर्मा और कुश शर्मा सभी कॉलोनी वासी नगर निगम का भी बहुत-बहुत धन्यवाद करते है।

गंगोह पुलिस ने अपहृत किशोरी को सकुशल किया बरामद

राकेश कुमार शर्मा/उत्तर प्रदेश: वादी मुकदमा द्वारा थाना गंगोह पर इस आशय की तहरीर दाखिल की गयी कि दिनांक 24/02/2026 की रात्रि अज्ञात व्यक्ति वादी की पुत्री को बहला फुसलाकर ले गया है। दाखिला तहरीर के आधार पर थाना गंगोह पर अभियोग पंजीकृत करते हुए विवेचना प्रारम्भ की गयी। विवेचना से अभियुक्त आजम पुत्र हारून नि० ग्राम सांगाठेडा जनपद सहारनपुर का नाम प्रकाश में आया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर द्वारा प्रकरण में संज्ञान लेते हुए अपने निर्देशन में अपहर्ता की तलाश/ बरामदगी हेतु जनपदीय स्तर पर 05 टीमो का गठन किया गया तथा पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी गंगोह के निकट पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक गंगोह श्री संजीव कुमार के कुशल नेतृत्व में गठित टीमो व थाना गंगोह पुलिस के सहयोग से आज दिनांक 02/03/2026 को पीडिता / अपहर्ता को बरामद किया गया तथा अभियुक्त आजम पुत्र हारून नि० ग्राम सांगाठेडा थाना गंगोह जिला सहारनपुर को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही कर मा० न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। प्रकरण में विवेचना प्रचलित है। पुलिस टीम द्वारा अथक प्रयास करते हुए अपहर्ता की सकुशल बरामदगी की गयी, जिसके लिए श्रीमान पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा पुलिस टीम के उत्साहवर्धन हेतु 50,000/- रू० नगद इनाम देने की घोषणा की गयी।

सिल्वरजोन मैथ ओलंपियाड में किड्स किंगडम स्कूल के विद्यार्थियों का दिखा शानदार प्रदर्शन

रितेश/हरियाणा: डबवाली किड्स किंगडम कॉन्वेंट स्कूल, सिंगेवाला के विद्यार्थियों ने सिल्वरजोन मैथमेटिक्स ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कूल का नाम रोशन किया है। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल हासिल कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कक्षा 1 के छात्र यशस्या ने गोल्ड मेडल, गंताज सिंह ने सिल्वर मेडल और जैसिका सिंह ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। कक्षा 2 के गुरशान सिंह ढिल्लों ने गोल्ड मेडल, फलक ने सिल्वर मेडल और हसरत कौर ने ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। इसी तरह कक्षा 4 की इनाया ने गोल्ड मेडल और विहान गोयल ने सिल्वर मेडल हासिल किया। कक्षा 5 के पुरंजय गुप्ता ने गोल्ड मेडल तथा मंताज सिंह स्त्रा ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। वहीं कक्षा 8 के छात्र निशांत गोयल ने गोल्ड मेडल जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय प्रबंधन और स्टाफ ने सभी मेडल विजेता विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

डीटीसी बस में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग, लोगों को निकाला गया सुरक्षित

यशोदा/दिल्ली: दिल्ली में महरौली-बदरपुर रोड पर गुरुवार को एक डरावना हादसा हुआ, जब एक बस में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई। यह घटना उस समय हुई जब बस अपने निर्धारित मार्ग पर चल रही थी। चालक और अन्य यात्रियों ने तुरंत स्थिति का आकलन किया और राहत की बात यह रही कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों और राहगीरों के अनुसार, बस अचानक धुआं उठने लगी और यात्रियों में भगदड़ मच गई। चालक ने तुरंत बस को सड़क के किनारे रोका और सभी यात्रियों को बाहर निकालने की कोशिश की। कुछ यात्रियों ने अपनी उपस्थिति और शांति से स्थिति को संभाला और सभी को सुरक्षित बाहर निकाला।

सम्पादकीय

युद्ध नहीं आज शांति जरुरी

जैसे ही आर्टिफिशल इंटेलीजेंट यानि कृत्रिम बुद्धिमता का प्रवेश हुआ वैसे ही युद्ध का दायरा इस कदर बढ़ा की अब परमाणु हमले की नौबत आ गईं ईरान को अमेरिका से क्या लेना देना था लेकिन जबरन कूद गया विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस ओर अभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।अमेरिका और ईरान के युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है अस्त्र-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये निःशस्त्रीकरण का राग अलापते थकनहीं रहे हैं।विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में निःशस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था. इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया. दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए. डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों ?ा इससे भी अधिक रहता है व जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता है इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण का संकल्प लेने पर जोर दिया है ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने। विश्व में अस्त्र-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनाने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है।

राजनीति में विरासत केवल नाम से नहीं चलती

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा की राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यहां केवल पद और प्रतिष्ठा ही सब कुछ नहीं होते, बल्कि समय, रणनीति और जनविश्वास की भूमिका कहीं अधिक महत्वपूर्ण होती है। राज्यसभा चुनावों के हालिया निर्णयों ने एक ऐसी राजनीतिक कथा को जन्म दिया है, जिसमें उम्मीद, धैर्य, रणनीतिक जोखिम और विरासत–सभी एक साथ दिखाई देते हैं। इस पूरे परिदृश्य के केंद्र में वरिष्ठ नेता कुलदीप बिश्नोई रहे हैं। यह प्रसंग केवल एक संसदीय सीट का नहीं, बल्कि राजनीतिक स्वीकृति, संगठनात्मक प्राथमिकताओं और जनभावनाओं के बदलते संकेतों का भी है।

राजनीति में लिए गए निर्णय अक्सर तत्काल परिणाम नहीं देते। कई बार वे भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखकर किए जाते हैं। जब कुलदीप बिश्नोई ने अपने पूर्व दल में रहते हुए क्रॉस मतदान किया और बाद में भारतीय जनता पार्टी का साथ चुना, तब इसे एक दूरगामी राजनीतिक रणनीति के रूप में देखा गया। उस समय यह धारणा बनी कि यह कदम उनके राजनीतिक जीवन को नई दिशा देगा और संगठन उनके अनुभव तथा जनाधार को सम्मानपूर्वक स्थान देगा। समर्थकों ने इसे एक साहसिक निर्णय बताया और विश्वास किया कि आने वाले समय में इसका सकारात्मक परिणाम अवश्य मिलेगा।

पिछले राज्यसभा चुनाव में जब किरण चौधरी का चयन हुआ, तब बिश्नोई समर्थकों में निराशा अवश्य थी, पर उम्मीद बनी रही। यह माना गया कि संगठनात्मक संतुलन और व्यापक राजनीतिक समीकरणों के कारण यह निर्णय लिया गया है। समर्थकों ने धैर्य बनाए रखा और यह विश्वास कायम रखा कि अगला अवसर उनके नेता को अवश्य मिलेगा। राजनीति में प्रतीक्षा भी एक परीक्षा होती है–नेता की भी और उसके समर्थकों की भी।

किन्तु हालिया राज्यसभा चुनाव में जब उम्मीदवार के रूप में संजय भाटिया का नाम सामने आया, तो यह संकेत स्पष्ट था कि पार्टी की प्राथमिकताओं में अन्य समीकरण अधिक प्रभावी हैं। यह निर्णय केवल एक नाम की घोषणा नहीं था, बल्कि यह संदेश भी था कि संगठन अपने व्यापक संतुलन और रणनीतिक दृष्टिकोण को प्राथमिकता दे रहा है। इसने समर्थकों के भीतर यह प्रश्न अवश्य खड़ा किया कि क्या उनकी प्रतीक्षा अभी और लंबी होगी।

इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए आदमपुर का उल्लेख अनिवार्य है। आदमपुर केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि बिश्नोई परिवार की राजनीतिक पहचान का केंद्र रहा है। दशकों तक यहां व्यक्तिगत संबंधों और पारिवारिक विश्वास ने निर्णायक भूमिका निभाई। मतदाताओं ने कई अवसरों पर राजनीतिक मतभेदों के बावजूद व्यक्तिगत भरोसे को महत्व दिया। यह क्षेत्र उनकी राजनीतिक शक्ति का प्रतीक माना जाता रहा है। परंतु दल परिवर्तन के बाद परिस्थितियां बदलती हुई दिखाई दीं। मतदाता अब केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि राजनीतिक स्थिरता और नीति को भी महत्व देते हैं। भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने के निर्णय ने आदमपुर में एक नई बहस को जन्म दिया। व्यक्तिगत समीकरण मजबूत थे, लेकिन दल परिवर्तन को लेकर मन में संदेह भी रहा। चुनाव परिणाम ने यह संकेत दिया कि जनभावनाओं को समझे बिना केवल रणनीतिक समीकरण पर्याप्त नहीं होते।

राजनीति में जनाधार सबसे बड़ी पूंजी होता है। यदि कार्यकर्ता निराश हों, यदि संवाद में कमी आ जाए, तो संगठनात्मक संरचना धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक नेतृत्व की परिपक्वता इसी में होती है कि वह परिस्थितियों के संकेतों को समझे और समय रहते आवश्यक सुधार करे। केवल उच्चस्तरीय निर्णयों से नहीं, बल्कि जमीनी सक्रियता से विश्वास पुनः अर्जित किया जा सकता है। इस संदर्भ में उनके पुत्र भव्य बिश्नोई का राजनीतिक भविष्य भी चर्चा का विषय बनता है। युवा नेतृत्व के सामने विरासत एक अवसर भी है और चुनौती भी। यदि संगठन मजबूत और सक्रिय हो, तो अगली पीढ़ी के लिए मार्ग सहज हो जाता है। लेकिन यदि आधार कमजोर हो, तो संघर्ष बढ़ जाता है। इसलिए यह समय केवल व्यक्तिगत अपेक्षाओं का नहीं, बल्कि व्यापक संगठनात्मक पुनर्निर्माण का है।

हरियाणा की राजनीति सदैव व्यावहारिक रही है। यहां सामाजिक संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और संगठनात्मक शक्ति को अत्यधिक महत्व दिया जाता है। राष्ट्रीय दल अपने निर्णय व्यापक दृष्टिकोण से लेते हैं, जिसमें कई स्तरों पर संतुलन साधना पड़ता है।

मनोज कुमार अग्रवाल

लंबा चल सकता है अमेरिका ईरान वार

ईरान ने इजरायल के साथ ही पूरे मिडिल ईस्ट में बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। कुवैत में ईरान के मिसाइल हमले में 3 अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है, जबकि 5 गंभीर घायल हुए हैं। इजरायल में ईरानी मिसाइलों की चपेट में आकर कई लोग मारे गए हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान की नई लीडरशिप ने बात करने की इच्छा जताई है और वह ऐसा करने की योजना बना रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने 48 ईरानी नेताओं को मारने का दावा किया और कहा है कि आखिरी लक्ष्य हासिल करने तक ईरान पर हमले जारी रहेंगे।रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान ने मंगलवार सुबह तड़के सऊदी अरब, कतर समेत फारस की खाड़ी देशों पर मिसाइलों और ड्रोन दागे हैं।

इजरायल और अमेरिका के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद मिडिल ईस्ट भयंकर तनाव के दौर से गुजर रहा है। ईरान ने इजरायल के साथ ही पूरे मिडिल ईस्ट में बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। कुवैत में ईरान के मिसाइल हमले में 3 अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है, जबकि 5 गंभीर घायल हुए हैं। इजरायल में ईरानी मिसाइलों की चपेट में आकर कई लोग मारे गए हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान की नई लीडरशिप ने बात करने की इच्छा जताई है और वह ऐसा करने की योजना बना रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने 48 ईरानी नेताओं को मारने का दावा किया और कहा है कि आखिरी लक्ष्य हासिल करने तक ईरान पर हमले जारी रहेंगे।रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान ने मंगलवार सुबह तड़के सऊदी अरब, कतर समेत फारस की खाड़ी देशों पर मिसाइलों और ड्रोन दागे हैं। इसमें सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन से हमला भी शामिल है। मौजूदा हालात जल्द काबू होने के आसार नहीं है यह लड़ाई लंबी चलने के आसार बन गए हैं।

कुवैत की सरकारी समाचार एजेंसी ने रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया है कि ताजा लड़ाई शुरू होने के बाद से इसने 178 बैलिस्टिक मिसाइल और 384 ड्रोन इंटरसेप्ट किए हैं। इसने बताया है कि कुवैत सेना के 27 सदस्य घायल हुए हैं, लेकिन उनकी हालत स्थिर है। इससे पहले रविवार को कुवैत पर ईरानी हमले में छह अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी।

ईरान पर इजरायल-अमेरिका के हमले और फिर पलटवार के बाद मिडिल ईस्ट पूरी तरह से जंग की चपेट में आ चुका है। इजरायल और ईरान दोनों तरफ से लगातार हमले जारी हैं। सऊदी, कतर और कुवैत सहित कई अरब देशों में स्थित यूएस ठिकानों पर भी ईरान हमले कर रहा है।

आपको पता रहे इजरायली सेना तेहरान और बेरूत पर हमला जारी रखे हुए है, जिसमें ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर पर हमला भी शामिल है, जबकि ईरान और लेबनान में मरने वालों की तादाद सैकड़ों में है।

प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने मिडिल ईस्ट में चल रहे झगड़े के बीच ईरान में अमेरिकन ग्राउंड फोर्स की किसी भी मुमकिन तैनाती से इनकार नहीं किया। न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए एक फोन इंटरव्यू में उन्होंने कहा, मुझे जमीन पर सैनिकों की तैनाती से कोई दिक्कत नहीं है। जैसे, हर प्रेसिडेंट कहता है, जमीन पर कोई सैनिक नहीं होगा। मैं ऐसा नहीं कहता।

मिडिल ईस्ट का संकट गहराता जा रहा है क्योंकि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने का ऐलान किया और चेतावनी दी है कि जो भी जहाज इस स्ट्रेटेजिक वॉटरवे से गुजरने की कोशिश करेगा, उसे आग लगा दी जाएगी।

उधर यह दावा किया है कि उसने कुवैत में अमेरिकी सैनिकों को होस्ट करने वाले आरिफजान बेस पर 10 ड्रोन का इस्तेमाल करके हमलों की एक नई लहर चलाई है। उसने दावा किया कि ड्रोन ने अपने टारगेट को सफलतापूर्वक हिट किया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी ड्रोन हमले के वक्त रियाद में अमेरिका एंबेसी खाली थी। इसमें कहा गया है कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

अमेरिका प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ईरान के खिलाफ मिलिट्री कैंपेन करीब चार हफ़्ते तक चल सकता है। उन्होंने वादा किया कि वॉशिंगटन तेहरान की मिसाइल और न्यूक्लियर क्षमताओं को खत्म करने के लिए जो भी करना होगा, करेगा।

एक्सियोस ने सोमवार को तीन सूत्रों के हवाले से बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को इराक में कुर्द नेताओं से ईरान संघर्ष के बारे में टेलीफोन पर बात की।

इजरायली सेना ने मंगलवार सुबह कहा कि वह लेबनान की राजधानी बेरूत में हिज्बुल्लाह के कमांड सेंटर और हथियार रखने की जगहों पर बमबारी कर रही है।

यूएई के डिफेंस मिनिस्ट्री ने कहा कि उसके एयर डिफेंस ईरान की तरफ से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों की नई लहर का सामना कर रहे हैं।

इराकी सरकारी मीडिया के मुताबिक, इराक ने एक ड्रोन को इंटरसेप्ट किया, जिसने अबू गरीब जेल कॉम्प्लेक्स के पास आने की कोशिश की। यह जेल कभी सद्दाम हुसैन की टॉर्चर साइट के तौर पर बदनाम थी और बाद में अमेरिका कंट्रोल में कैदियों के साथ गलत व्यवहार की जगह बन गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस घटना में कोई नुकसान नहीं हुआ है।

ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया कि तेहरान में सरकारी ब्रॉडकास्टर इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के हेडक्वार्टर के आस-पास दो धमाके हुए, जब इजराइली सेना ने कहा कि वह बिल्डिंग को टारगेट कर-के हमले कर रही है। यह बमबारी ईरानी इंफ्रास्ट्रक्चर पर अमेरिका -इजरायली बड़े हमलों का हिस्सा थी।

अमेरिका डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट ने सोमवार को अमेरिकी नागरिकों से कहा कि वे मिडिल ईस्ट के एक दर्जन से ज्यादा देशों से तुरंत निकल जाएं, क्योंकि इस इलाके में ईरान और इजरायल-अमेरिका के जॉइंट फ्रंट के बीच मिलिट्री लड़ाई बढ़ रही है। स्टेट डिपार्टमेंट के कॉन्सुलर मामलों के असिस्टेंट सेक्रेटरी मोरा नामदार के मुताबिक, अमेरिकियों से कहा गया है कि वे बहरीन, मिस्र, ईरान, इराक, इजराइल, वेस्ट बैंक और गाजा, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, ओमान, कतर, सऊदी अरब, सीरिया, यूनाइटेड अरब अमीरात और यमन से कमर्शियल तरीकों से निकल जाएं।

जॉर्डन में अमेरिका एंबेसी के डिप्लोमैटिक स्टाफ ने धमकी के कारण कुछ वक्त के लिए अम्मान में मिशन की जगह छोड़ दी है। एंबेसी ने और जानकारी नहीं दी, लेकिन यह ऐलान ईरान के सपोर्ट वाले इराकी मिलिशिया कताइब हिज्बुल्लाह के जॉर्डन में अमेरिकी मिलिट्री बेस पर हमला करने की धमकी के कुछ वक्त बाद हुई है।अमेरिकी सेना ने ईरानी नेवी के 11 जहाजों को डुबोने का दावा किया है। मिडिल ईस्ट में ऑपरेशन की जिम्मेदारी संभालने वाले अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी है। सेंट्रल कमांड ने एक्स पर पोस्ट में मंगलवार तड़के लिखा, दो दिन पहले ईरानी सरकार के पास ओमान की खाड़ी में 11 जहाज थे, आज उनके पास जीरो हैं। ईरानी सरकार ने दशकों से ओमान की खाड़ी में इंटरनेशनल शिपिंग को परेशान किया है और उन पर हमला किया है। वे दिन अब बीत चुके हैं। इसने आगे कहा कि समुद्री नेविगेशन की आजादी ने 80 सालों से ज्यादा से अमेरिकी और ग्लोबल आर्थिक तरक्की को सहारा दिया है। अमेरिका सेना इसकी रक्षा करती रहेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान से जंग 4-5 हफ्ते तक चल सकती है, लेकिन अमेरिका के पास इससे ज्यादा समय तक कार्रवाई करने की क्षमता है। साफ हो गया है कि मौजूदा हालात अभी जल्द सुधरने वाले नहीं हैं और यह लड़ाई लंबी खिंच सकती है।

सनत जैन

अमेरिका और इजराइल पर भारी पड़ा ईरान?

ईरान पर इजराइल और अमेरिका द्वारा किए गए संयुक्त हमले के तीसरे दिन स्थिति बड़ी विकराल हो गई है। ईरान के सुप्रीमो लीडर खामेनेई की हत्या के बाद ईरान ने जिस तरह का पलटवार किया है, उससे दुनियां हैरान है। एक ही झटके में 13 देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानो पर ईरान ने हमला कर दिया। अमेरिका के सैन्य ठिकाने धू-धू करके जलने लगे। इन हमलों से मध्य पूर्व के इस्लामी देशों में बढ़ता तनाव एक बार फिर वैश्विक राजनीति के केंद्र में आ गया है। ईरान ने अमेरिका और इजराइल के हमले का जवाब जिस तरह से दिया है, उसे देखते हुए अमेरिका और इजराइल भी हतप्रभ होकर रह गए हैं। पहली बार अमेरिका को पश्चिम एशिया के देशों में तनाव बढ़ने से अपने वर्चस्व को बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ईरान की ओर से दावा किया गया है, उसने जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। बहरीन स्थित जुफैर बेस और कतर के अल उदैद एयरबेस जैसे ठिकानों पर किए गए हमले के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए जिनमें भारी नुकसान की तस्वीरें सामने आई हैं। इसके बाद सारी दुनिया में एक नई हलचल देखने को मिली। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने संकेत दिया है। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने उसकी मिसाइलों के निशाने पर हैं। दूसरी ओर, कतर ने दावा किया, पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने संभावित हमलों को विफल कर बड़े नुकसान को रोका है। ऐसे परस्पर विरोधी दावों के बीच वास्तविक स्थिति का सही अंदाजा लगा पाना कठिन है। यह भी चर्चा है कि खाड़ी क्षेत्र के लगभग 13 देशों में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी है। तनाव बढ़ने पर वह भी अप्रत्यक्ष रूप से इस संघर्ष की चपेट में आ सकते हैं। ईरान ने जो फोटो और वीडियो जारी किए हैं उसके अनुसार 13 देशों के ठिकाने धू-धू करके जल रहे हैं। अभी तक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा ईरान के दावों को सत्यापित नहीं किया गया है। युद्धकालीन माहौल में सूचनाओं का प्रवाह तेज होता है, परंतु सत्यापन की जानकारी जुटाना बहुत मुश्किल होता है। रणनीतिक दृष्टि से देखें, तो ईरान का मुकाबला दो परमाणु-सक्षम अमेरिका और इजराइल से है। इसके बावजूद तेहरान की त्वरित जवाबी क्षमता ने यह साबित कर दिया है। युद्ध के मैदान में सैन्य संतुलन एकतरफा नहीं है। चार दिन में ईरान इस युद्ध में अमेरिका और इजराइल को बराबरी से जवाब देने में सक्षम है।

सवाल यह है, क्या यह टकराव सीमित रहेगा या व्यापक वैश्विक युद्ध के रूप में परिवर्तित हो जाएगा? इस युद्ध की शुरूआत से ही कच्चे तेल की आपूर्ति, समुद्री मार्गों को ईरान द्वारा बाधित किए जाने से वैश्विक बाजारों पर इसका प्रभाव पहले ही चार दिनों में बड़े पैमाने पर दिखने लगा है। विशेषज्ञों का मानना है, सैन्य शक्ति के प्रदर्शन से अधिक महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपाय अपनाने की पहल तुरंत की जानी चाहिए। यदि संवाद के रास्ते नहीं खुले, तो दावों और प्रतिदावों के बीच पूरी दुनिया को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। दुनिया भर के शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। भारत का शेयर बाजार एक तरह से क्रेस हो गया है। खाड़ी देशों में भारत का निर्यात-आयात पिछले चार दिनों से एक तरह से बंद हो गया है। लगभग 90 लाख भारतीय खाडी के देशों में काम करते हैं। इसके अलावा दुबई में भी भारतीयों का भारी निवेश है। ईरान जिस तरह से यूएई को निशाना बना रहा है उसके कारण भारत की आर्थिक सामरिक एवं राजनीतिक स्थिति पर चुनौतियां स्पष्ट रूप से दिखने लगी हैं। अमेरिका ईरान युद्ध शुरू होने के बाद जिस तरह से भारत के शेयर बाजार में निवेशकों को लगभग 8 लाख करोड रुपए का नुकसान 1 दिन में उठाना पड़ा है, वैश्विक व्यवस्था में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में जो रोक लगी है, सारी दुनिया का आयात और निर्यात व्यापार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है, इसको लेकर आर्थिक विशेषज्ञों द्वारा यह आशंका जताई जा रही है कि यह युद्ध जल्द बंद नहीं हुआ तो सारी दुनिया के देश आर्थिक मंदी के शिकार हो जाएंगे। इसके साथ-साथ तृतीय विश्व युद्ध जैसी स्थितियां बनते देर नहीं लगेंगी। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है भारत स्वयं एक पार्टी बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजाराइल दौरे के तुरंत बाद ईरान पर हमला किया गया है। भारत की विदेश नीति में अब भारत का झुकाव अमेरिका और इजराइल की तरफ है। ऐसी स्थिति में भारत के ईरान और खाड़ी देशों के साथ बेहतर संबंध होते हुए भी भारत की मध्यस्थ के रूप में कोई भूमिका सामने नहीं आ रही है। उल्टे इस युद्ध में भारत को युद्ध में शामिल नहीं होते हुए भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। खाड़ी के देशों में लगभग 90 लाख से ज्यादा भारतीय नागरिक कार्यरत है उनसे विदेशी मुद्रा भी भारत को मिलती थी अब उनकी जान जोखिम में है। कच्चे तेल और गैस के दामों में जिस तरह की तेजी देखने को मिल रही है, शेयर बाजारों में जिस तरह से गिरावट का दौर देखने को मिल रहा है उससे स्पष्ट हो गया है, इस युद्ध का असर भारत पर सबसे ज्यादा पड़ने वाला है। भारत सरकार को बहुत सजग रहने की जरूरत है।

(के रवींद्रन)

सीबीआई की साख पूरी तरह खत्म

भाजपा नेताओं ने बदले की कार्रवाई के आरोपों को लगातार खारिज किया है। फिर भी, जांच में गलत हथकंडे अपनाने के आधार पर किसी बड़े स्तर के मुकदमे का खत्म होना सत्ता के लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदायक है। बड़ी चिंता संस्थागत है। सीबीआई की वैधता सिर्फ सजा पर ही नहीं, बल्कि जनता के इस भरोसे पर भी निर्भर करती है कि वह स्वतंत्र रूप से काम करती है और संवैधानिक नागरिक सुरक्षा उपायों का सम्मान करती है।

अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और 21 अन्य के खिलाफ दिल्ली आबकारी नीति मुकदमे को खारिज करने के एक सत्र न्यायालय के फैसले से एक राजनीतिक और संस्थागत महत्व की निर्णायक चर्चा शुरू हो गयी है, जो एक मुकदमे की किस्मत से कहीं आगे की बात है। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का प्रक्रियात्मक उल्लंघन, उसकी सुनी-सुनाई बातों पर निर्भरता और संवैधानिक सुरक्षा उपायों की अनदेखी के लिए तीखी आलोचना करके, राउज एवेन्यू की अदालत ने न सिर्फ आरोपियों को बरी किया है बल्कि इसने भारत की सबसे बड़ी जांच एजेंसी की साख पर भी एक लंबा साया डाल दिया है।

महीनों तक यह आबकारी मुकदमा राजनीतिक बहस में छाया रहा है। दिल्ली की शराब नीति बनाने और उसे लागू करने में कथित गड़बड़ियों पर केंद्रित आरोपों को आम आदमी पार्टी सरकार के सबसे ऊंचे लेवल पर प्रणालीगत भ्रष्टाचार के सुबूत के तौर पर पेश किया गया। उस समय के मुख्यमंत्री केजरीवाल और उनके उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया गया, उनसे बहुत पूछताछ की गई और राजनीतिक विरोधियों ने उन्हें निजी फायदे के लिए बनाई गई नीति के वास्तुकार के तौर पर पेश किया। केजरीवाल भारत के पहले मुख्यमंत्री बने जिन्हें पद पर रहते हुए गिरफ्तार किया गया। मोदी सरकार ने इस मामले को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक कदम बताया, जो शून्य सहनशीलता की उनकी गढ़ी एक बड़ी कहानी का हिस्सा था और बाद के चुनावों में भी उसने इसका पूरा इस्तेमाल किया।

अदालत द्वारा आरोप को ही खारिज से उस कहानी में रुकावट आती है। अपने आदेश में, न्यायाधीश ने जांच के तरीके में गंभीर कमियों को रेखांकित किया, और उन नाकामियों की ओर इशारा किया जो आपराधिक न्यायशास्त्र के मूल पर हमला करती हैं। अदालत का यह निष्कर्ष कि संवैधानिक सिद्धांतों से समझौता किया गया और अभियोजन पक्ष ने बिना पुष्टि वाले बयानों पर बहुत ज्यादा भरोसा किया, मामले की बुनियाद को ही कमजोर करता है। अदालत शायद ही कभी ऐसी भाषा का इस्तेमाल करते हैं जो जांच की ईमानदारी पर सीधे सवाल उठाती हो। जब वे ऐसा करते हैं, तो इसके नतीजे तुरंत की कार्रवाई से कहीं ज्यादा असरदार होते हैं।

सीबीआई लंबे समय से राजनीतिक प्रभाव के प्रति स्वयं के कमजोर होने की धारणा से जूझ रही है। एक दशक से भी ज्यादा समय पहले, सर्वोच्च न्यायालय ने कोयला आवंटन मामले की सुनवाई के दौरान इसे 'पिंजरे में बंद तोता जो अपने मालिक की आवाज में बोल रहा है' कहा था। यह कहावत संस्थागत गुलामी के आशुलिपि के तौर पर लोगों की जुबान पर चढ़ गई। एक के बाद एक सरकारों ने एजेंसी की स्वायत्तता पर जोर दिया है, फिर भी सभी राजनीतिक सरकारों में चुनिंदे मामलों में ज्यादा जोश दिखाने के आरोप लगते रहे हैं। दिल्ली के आबकारी मुकदमे के खारिज होने से यह सोच और पक्की हो सकती है कि सीबीआई की स्थिति में बहुत कम बदलाव हुआ है।

केजरीवाल का जवाब अपनी खासियत के हिसाब से आक्रामक था। उन्होंने आबकारी मामले में अभियोजन को आजाद भारत की 'सबसे बड़ी राजनीतिक साजिश' बताया और सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर इसे अंजाम देने का आरोप लगाया। ऐसी बातें राजनीतिक रूप से आवेशित होती हैं, फिर भी अदालत की फटकार इसे और हवा देती है। जब कोई जांच प्रक्रिया की कमियों के कारण न्यायिक विचारण में फेल हो जाती है, तो राजनीतिक मतलब निकालने की गुंजाइश बढ़ जाती है।

भाजपा नेताओं ने बदले की कार्रवाई के आरोपों को लगातार खारिज किया है। फिर भी, जांच में गलत हथकंडे अपनाने के आधार पर किसी बड़े स्तर के मुकदमे का खत्म होना सत्ता के लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदायक है।

बड़ी चिंता संस्थागत है। सीबीआई की वैधता सिर्फ सजा पर ही नहीं, बल्कि जनता के इस भरोसे पर भी निर्भर करती है कि वह स्वतंत्र रूप से काम करती है और संवैधानिक नागरिक सुरक्षा उपायों का सम्मान करती है। अगर अदालत को पता चलता है कि सही प्रक्रिया से समझौता किया गया है, तो एजेंसी की साख पर असर पड़ता है, चाहे राजनीतिक संदर्भ कुछ भी हो।

आबकारी मुकदमे में निर्णय ऐसे समय में सामने आया है जब राजनीतिक विवादों में केन्द्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल बढ़ गया था। सभी विपक्षी पार्टियों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीआई और आयकर अधिकारियों पर गलत तरीके से निशाना बनाने का आरोप लगाया है। आम आदमी पार्टी, जिसने भ्रष्टाचार विरोधी सक्रियता पर अपना ब्रांड बनाया था, उसके लिए अदालत का आदेश यह तर्क देने का मौका देता है कि वह गलत काम करने वाली नहीं बल्कि शिकार पार्टी थी। केजरीवाल ने मोदी को दिल्ली में चुनाव कराने की चुनौती दी है। यह आख्यान चुनावी फायदे में बदलेगा या नहीं, यह मतदाताओं की सोच पर निर्भर करेगा, लेकिन तुरंत मिलने वाले फायदे से इनकार नहीं किया जा सकता।

लोगों की याददाश्त फैसले से उतनी ही बनती है जितनी कि लक्षणा-व्यंजना से। सर्वोच्च न्यायालय की 'पिंजरे में बंद तोता' वाली टिप्पणी स्वायत्तता से समझौता कर लेने का बिंब बन गई। राउज एवेन्यू की अदालत की फटकार से उस आख्यान में एक और अध्याय जुड़ने का खतरा है। भरोसा वापस लाने के लिए सिर्फ सार्वजनिक बयानों से ज्यादा की जरूरत होगी। इसके लिए कानून का साफ तौर पर पालन, गलतियों के लिए अंदरूनी जवाबदेही और ऐसे मामलों का लगातार रिकॉर्ड चाहिए होगा जो न्यायिक जांच में टिके रहें।

केजरीवाल का एक बड़ी राजनीतिक साजिश का आरोप उनके समर्थकों और विपक्ष के कुछ हिस्सों को पसंद आ सकता है। सरकार इसे पार्टी की बढ़ा-चढ़ाकर कही गई बात कहकर खारिज कर देगी। इन दोनों स्थितियों के बीच न्यायपालिका है, जिसका काम न तो राजनीतिक दावों को सही ठहराना है और न ही कहानियों पर फैसला सुनाना है, बल्कि सुबूतों और प्रक्रिया की जांच करना है। इस मामले में, जांच की आलोचना में जांच का आकलन साफ रहा है।

यह एक ऐसा मुकदमा है जो नाटकीय गिरफ्तारी से शुरू होता है और प्रक्रिया की कमियों के कारण बर्खास्तगी पर खत्म होता है, और अपना निशान छोड़ जाता है। यह न केवल इसमें शामिल लोगों को बल्कि उन संस्थाओं को भी प्रभावित करेगा जिन्हें कानून का राज बनाए रखने का काम सौंपा गया है।

ईरान में हाहाकार, ट्रंप ने दिए लंबे युद्ध के संकेत, अली खामेनेई का अंतिम संस्कार टला और मरने वालों का आंकड़ा 1045 के पार

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए भीषण हमलों का आज पांचवा दिन है और शांति के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस लड़ाई को और खींचने के स्पष्ट संकेत दिए हैं, जिससे पूरे मध्य पूर्व में दहशत का माहौल है। इजराइल ने अब अपने हमलों का दायरा बढ़ाते हुए लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों को भी निशाना बनाया है, जहाँ लेबनान स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार कम से कम 52 लोगों की मौत हो गई है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु के बाद उपजे संकट और अंतिम संस्कार टलने की खबरों ने देश के भीतर अस्थिरता को और बढ़ा दिया है।

ईरान ने भी पीछे न हटते हुए जवाबी कार्रवाई तेज कर दी है। ईरानी सेना ने मध्य पूर्व में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों और दूतावासों को निशाना बनाना जारी रखा है। सऊदी अरब में अमेरिकी दूतावास और कतर में एनर्जी फैसिलिटी पर हुए हमलों ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में खलबली मचा दी है। स्थिति इतनी तनावपूर्ण है कि दुबई जैसे सुरक्षित माने जाने वाले शहरों में भी हमले हो रहे हैं। प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर उड़ानों का संचालन ठप पड़ा है और ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं। ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के मुताबिक, देश में मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ते हुए अब 1045 तक पहुँच गई है।

युद्ध के इस विस्तार ने एक लंबे और विनाशकारी संघर्ष की नींव रख दी है, जिसके दूरगामी परिणाम पूरी दुनिया को भुगतने पड़ सकते हैं। सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए अमेरिकी विदेश विभाग ने अपने नागरिकों को एक दर्जन से अधिक मध्य पूर्व देशों को तत्काल छोड़ने की सख्त हिदायत दी है। ट्रंप प्रशासन ने ईरानी हमलों का जवाब 'अत्यंत कठोरता' से देने का ऐलान किया है, जिससे परमाणु शक्ति संपन्न क्षेत्रों में सीधे टकराव का खतरा बढ़ गया है। फिलहाल, इस संकट से बाहर निकलने का कोई ठोस कूटनीतिक रास्ता नजर नहीं आ रहा है और पूरा क्षेत्र मलबे और धुएं के गुबार में तब्दील होता जा रहा है।

अमेरिकी पनडुब्बी ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार ईरानी युद्धपोत को टॉरपीडो हमले में डुबोया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी पनडुब्बी ने टॉरपीडो हमले में एक ईरानी नौसैनिक युद्धपोत को डुबो दिया है और यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहला ऐसा हमला है जब किसी दुश्मन जहाज को इस तरह नष्ट किया गया है।

अमेरिकी युद्ध मामलों के मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को पेंटागन में 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' पर एक ब्रीफिंग के दौरान कहा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा किया गया था।

उन्होंने कहा, 'एक अमेरिकी पनडुब्बी ने एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया, जो अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में खुद को सुरक्षित समझ रहा था। इसे एक टॉरपीडो ने डुबो कर खामोश मौत दी है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद टॉरपीडो द्वारा दुश्मन जहाज को डुबोने की यह पहली घटना है। हम जीतने के लिए लड़ रहे हैं।' ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने कहा कि नौसेना के त्वरित हमले में एक मार्क 48 टॉरपीडो का उपयोग कर ईरानी जहाज को 'प्रभावी रूप से निष्क्रिय' कर दिया गया।

कनाडा के पीएम ने मोदी के नेतृत्व की सराहना की, बोले- भारत के साथ चाहते हैं मजबूत संबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और गवर्नेंस रिकॉर्ड की सराहना की है। कनाडाई प्रधानमंत्री ने लगातार काम करने के तरीके और आम लोगों तक पहुंचाने पर पीएम मोदी के फोकस को हाईलाइट किया। साथ ही, उन्होंने ओटावा और नई दिल्ली के बीच संबंधों को और गहरा करने की कोशिश का भी इशारा किया है।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में लोवी इंस्टीट्यूट थिंक-टैंक में पीएम कार्नी ने प्रधानमंत्री मोदी को एक अनोखा और बहुत अनुशासित नेता बताया, जो एक सघन राजनीतिक कार्यक्रम को बनाए रखते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी हालिया बातचीत के बारे में बताते हुए कार्नी ने कहा, 'देखिए वह आदमी अनोखा है। मैं कहूंगा, आप जानते हैं, 25 साल हो गए हैं और उन्होंने एक दिन की भी छुट्टी नहीं ली। 25 साल लगातार गुजरात में मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के तौर पर एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली है।'

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की राजनीतिक पहुंच काफी बड़ी है। हर हफ्ते वह कैंपेनिंग के लिए निकलते हैं और उनकी रैलियों में 2,50,000 लोग आते हैं। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री की देशभर में भारी संख्या में समर्थन जुटाने की काबिलियत की ओर इशारा किया।

पीएम कार्नी ने कहा कि मोदी के साथ हुई उनकी बैठकों से उन्हें भारत में हो रहे आर्थिक सुधारों व डिजिटल परिवर्तन के पीछे की शासन दृष्टि को समझने का अवसर मिला। खासकर उस प्रयास को जो लाभों को सीधे आम घरों तक पहुंचाने पर केंद्रित है।

कार्नी ने कहा, 'वह ऐसे नेता हैं जो परिणाम देने पर बहुत जोर देते हैं, चाहे वह ग्रामीण घर हों या फिर सड़क पर रहने वाला आम व्यक्ति।'

उन्होंने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व के तहत वित्तीय और तकनीकी सुधारों का मकसद डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर को मजबूत करना और पब्लिक खर्च में लीकेज को कम करना था।

उन्होंने कहा कि वित्तीय सुधार, पेमेंट सिस्टम में बदलाव, यूपीआई और दूसरी चीजों के पीछे एक बड़ा मोटिवेशन रियल टाइम में सिस्टम में लीकेज के बिना सीधे लोगों तक पैसा पहुंचाना और करोड़ों लोगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में लाना था।

मीठी नदी घोटाला: ईओडब्ल्यू ने 7 हजार पन्नों की दूसरी चार्जशीट दाखिल की

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बुधवार को एस्प्लेनेड कोर्ट (किला कोर्ट) में मीठी नदी के कथित 65.5 करोड़ रुपए के गाद निकासी घोटाले के संबंध में 7,000 पन्नों की दूसरी सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की। चार्जशीट में गिरफ्तार दो आरोपियों महेश पुरोहित और सुनील उपाध्याय के नाम शामिल हैं और 39 गवाहों की गवाही है।

जांचकताओं के अनुसार, दोनों आरोपियों पर किसानों के नाम पर डंपिंग ग्राउंड के लिए फर्जी समझौता ज्ञापन तैयार करने और भुगतान प्राप्त करने के लिए उन्हें असली दस्तावेजों के रूप में प्रस्तुत करने का आरोप है। दोनों को पिछले साल दिसंबर में ईओडब्ल्यू द्वारा गिरफ्तार किया गया था। मीठी नदी की गाद निकालने में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच जारी है।

भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि बीएमसी के तूफानी जल निकासी विभाग के अधिकारियों ने 2013 से 2023 के बीच ठेकेदारों और बिचौलियों के साथ मिलकर किसानों के नाम पर डंपिंग साइट्स के लिए जाली समझौता ज्ञापन प्रस्तुत करने की साजिश रची। इन फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल गाद निकासी भुगतान बिलों को मंजूरी देने के लिए किया गया था।

फर्जी वजन मापने की रसीदें और फर्जी लॉग शीट पिछले साल नवंबर (2025) में ईओडब्ल्यू ने एस्प्लेनेड कोर्ट में मेसर्स मेनदीप एंटरप्राइजेज के मालिक राठौर के खिलाफ लगभग 1,300 पन्नों की चार्जशीट दायर की थी। राठौर को अगस्त 2025 में गिरफ्तार किया गया था। मीठी नदी की गाद निकालने में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच जारी है।

आज राज्य सभा चुनाव के नामांकन की अंतिम तिथि 16 को चुनाव

हैदराबाद, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने आगामी राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए अपने छह प्रमुख उम्मीदवारों के नामों का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। सबसे महत्वपूर्ण घोषणा तेलंगाना को लेकर हुई है, जहाँ से पार्टी ने वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया है। एआईसीसी (AICC) के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल द्वारा जारी सूची के अनुसार, पार्टी ने छत्तीसगढ़ से फूलो देवी नेताम, हरियाणा से करमवीर बौद्ध और तमिलनाडु से क्रिस्टोफर तिलक को चुनावी मैदान में उतारा है। इन नामों की घोषणा के साथ ही कांग्रेस ने उच्च सदन में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अनुभवी और वफादार चेहरों पर दांव लगाया है। देश के 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव की प्रक्रिया तेज हो गई है। निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार, इन सीटों को भरने के लिए 16 मार्च को सुबह से मतदान होगा और उसी दिन शाम 5 बजे से मतगणना शुरू कर दी जाएगी। अप्रैल महीने में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, बिहार और तेलंगाना सहित अन्य राज्यों के सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, जिसके चलते ये सीटें रिक्त हो रही हैं। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि आज (5 मार्च) है, जिसके बाद 6 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटनी) की जाएगी। जो उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ना चाहते, वे 9 मार्च तक अपना नाम वापस ले सकेंगे।

उम्मीदवार के रूप में नाम घोषित होने के बाद वेम नरेंद्र रेड्डी ने सोशल मीडिया के माध्यम से सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सहित केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।

ईरान समर्थक प्रदर्शनों के बाद कश्मीर में स्थिति सुधरी, लेकिन प्रतिबंध बरकरार

श्रीनगर, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के विरोध में जम्मू कश्मीर में प्रदर्शनों के बाद सुरक्षा बल पूरी मुस्तैदी से काम कर रहे हैं। तनाव धीरे-धीरे कम हो रहा है, हालांकि कश्मीर में गुरुवार को भी प्रतिबंध जारी रहे।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे घाटी क्षेत्र में दिनभर प्रतिबंध लागू रहेंगे और किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन या लोगों के जमावड़े की अनुमति नहीं होगी। श्रीनगर जिले और घाटी के अन्य जिलों में सभी संवेदनशील स्थानों पर पुलिस और सीआरपीएफ की टुकड़ियों को तैनात किया गया था। प्रतिबंधों को लागू करने के लिए सड़क चौराहों पर बैरिकेड और नाकाबंदी की गई थी।

श्रीनगर और अन्य जिलों में शिया मुस्लिम आबादी वाले क्षेत्रों में इन प्रतिबंधों को और अधिक सख्ती से लागू किया जा रहा है।

अधिकारियों की तरफ से एहतियाती उपायों को जारी रखने के बावजूद घाटी में स्थिति में स्पष्ट रूप से सुधार हो रहा था क्योंकि श्रीनगर शहर के ऊपरी इलाकों और घाटी के अन्य सभी जिला मुख्यालयों में लोग एक-दो के समूह में जीवन की आवश्यक वस्तुएं खरीदने के लिए निकल रहे थे।

श्रीनगर के ऊपरी इलाकों में स्थित लाल चौक को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों में दुकानें सामान्य रूप से चलती रहीं। दुकानें वहां बंद रहीं, जहां प्रतिबंधों को लागू करने के लिए बैरिकेड, टिन की चादरें और कंटीले तार लगाए गए थे।

जैसे-जैसे तनाव कम होने लगा, सुरक्षा बलों ने भी उन लोगों के प्रति नरम रुख दिखाया जो सामान्य जीवन की गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए बाहर निकल रहे थे, जहां भी ऐसी गतिविधियां संभव थीं।

श्रीनगर शहर में, पुराने शहरी इलाकों को छोड़कर कार्यालय जाने वाले लोग घाटी के अन्य हिस्सों की तरह ही सुबह अपने कर्तव्यों को फिर से शुरू करने के लिए निकले। स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय आज भी बंद रहे और 7 मार्च के बाद फिर से खुलेंगे। कश्मीर विश्वविद्यालय, क्लस्टर विश्वविद्यालय और केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 7 मार्च तक निर्धारित सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं।

इंटरनेट सेवाएं 2जी स्पीड पर उपलब्ध रहेंगी, जबकि प्रीपेड मोबाइल फोन पर सेवाएं अगले आदेश तक निलंबित रहेंगी।

अधिकारियों ने इंटरनेट पर आपत्तिजनक सामग्री अपलोड करने के आरोप में कुछ लोगों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की है। सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी और श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद अजीम मट्टू उन लोगों में शामिल हैं जिनके खिलाफ भड़काऊ सामग्री पोस्ट करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। अमेरिकी-इजरायली बमबारी में ईरानी सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत के बाद घाटी के कुछ हिस्सों में हुए विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर एहतियाती उपाय के रूप में ये प्रतिबंध लगाए गए हैं।

ईरान पर इजरायल का दसवां बड़ा हमला, लेबनान में भी भारी बमबारी

तेल अवीव/वाशिंगटन, एजेंसी। इजरायल ने बुधवार को युद्ध के पांचवे दिन ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तेज करते हुए 'दसवें दौर' के हमलों की शुरूआत कर दी। इसके साथ ही इजरायली सेना लेबनान में भी लगातार बमबारी कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि उनकी फौजों के हमलों से ईरान की वायुसेना और नौसेना पूरी तरह 'ध्वस्त' हो गई है। इजरायली रक्षा बलों ने दावा किया है कि दसवें दौर के हमले में तेहरान के दर्जनों इलाकों को निशाना बनाया गया। इसमें ईरान के सुरक्षा बल रिवोल्यूशरी गार्ड के हेडक्वार्टर बासिज पर भी हमला किया गया। यह मुख्यालय इस बलों की आवाजाही और रसद पहुंचाने के काम करता है। अमेरिकी सैन्य सूत्रों के अनुसार, अब तक की कार्रवाई में ईरान के 17 जहाजों और लगभग 2,000 लक्ष्यों को नष्ट कर दिया गया है। मानवाधिकार संस्था 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' की रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान में 1,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

इजरायली फौजें लेबनान में सीमा से आगे छह किलोमीटर तक प्रवेश कर चुकी हैं। लेबनान के मीडिया के अनुसार इजरायली तोपों अभी भी गरज रही हैं। लेबनान के दक्षिण इलाके में सक्रिय आतंकी संगठन हिजबुल्ला ने दावा किया है कि उसने इजरायल के सेना मुख्यालय को निशाना बनाया है।

श्रीलंका के तट के पास पहुंचे ईरान के एक पोत को पनडुब्बी के संभावित निशाना बनाए जाने का भी समाचार है। इस हमले में करीब 100 लोगों के मरने की जानकारी सामने आई है। इस डूब रहे पोत ने श्रीलंका से मदद की गुहार लगाई थी और तब श्रीलंका ने बचाव कार्य शुरू करते हुए अपनी वायु सेना और जहाजों को वहां भेजा। श्रीलंका के विदेशमंत्री के अनुसार इस आइरिस डेना नाम के पोत पर करीब 180 लोग सवार थे। पश्चिम एशिया के इस क्षेत्र में बढ़ते खतरे को देखते हुए अमेरिका ने तीन देशों में अपने दूतावास बंद कर दिए हैं और अपने राजनयिक कर्मचारियों की संख्या में कटौती की है। संयुक्त अरब अमीरात ने फंसे हुए नागरिकों को निकालने के लिए पड़ोसी देशों के साथ 'सुरक्षित हवाई गलियारे' खोल दिए हैं। इस सैन्य संघर्ष का सीधा असर वैश्विक बाजार पर भी दिख रहा है। तेल की कीमतों में उछाल की आशंका से एशियाई शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई है, विशेषकर सोल में रिकॉर्ड बिकवाली हुई है। श्री ट्रंप ने खाड़ी क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों के लिए अमेरिकी 'बीमा और गारंटी' का आदेश दिया है और जरूरत पड़ने पर होर्मुज जलडमरूमध्य में टैंकरों को सुरक्षा देने के लिए नौसेना की तैनाती का संकेत दिया है। श्री ट्रंप ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जहाजों की सुरक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर अमेरिकी नौसेना तैनात की जाएगी और ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखने के लिए जहाजरानी कंपनियों को 'उचित कीमत पर' जोखिम बीमा भी उपलब्ध कराया जाएगा। दुनिया के तेल और गैस आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जो ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच स्थित संकीर्ण समुद्री मार्ग है। हाल के दिनों में ईरान द्वारा जहाजों को 'आग के हवाले करने' की धमकी के बाद इस मार्ग से समुद्री यातायात लगभग ठप हो गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्पेन को चेतावनी दी है कि यदि उसने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान के लिए अपने सैन्य अड्डों के उपयोग की अनुमति नहीं दी तो अमेरिका स्पेन के साथ सभी व्यापारिक संबंध समाप्त कर सकता है। श्री ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि स्पेन का रवैया 'बहुत खराब' रहा है और अमेरिका उसके साथ व्यापार बंद करने पर विचार कर सकता है। उन्होंने कहा, 'हम स्पेन के साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहते।

एक नजर

रूस ने अमेरिका पर ईरान से खतरे का बहाना बनाकर सरकार को उखाड़ फेंकने का लगाया आरोप

मास्को, एजेंसी। रूस ने अमेरिका पर ईरान से कथित खतरे का बहाना बनाकर उसकी सरकार को उखाड़ फेंकने का आरोप लगाया है। रुसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने एक मीडिया ब्रीफिंग में बुधवार को कहा कि अमेरिका ने ईरान के साथ परमाणु वार्ता का उपयोग ईरान में सरकार परिवर्तन की अपनी योजना को छिपाने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि ईरान की परमाणु सुविधाओं पर एक बार फिर हमला हुआ है, जिससे गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि रूस को पूरा विश्वास है कि संकट का कोई सैन्य समाधान नहीं है और वह अंतरराष्ट्रीय कानून पर आधारित समाधान खोजने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि रूस पश्चिम एशिया में स्थिति के बढ़ने को समाप्त करने के पक्ष में है और शत्रुता की तत्काल समाप्ति तथा राजनीतिक एवं राजनयिक प्रक्रिया बहाल करने की वकालत करता है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजरायल द्वारा की जा रही मनमानी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का घोर उल्लंघन कर रही है और क्षेत्र में अराजकता बढ़ा रही है। सुश्री जखारोवा ने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को इसका वस्तुनिष्ठ और उतना ही महत्वपूर्ण, निष्पक्ष मूल्यांकन प्रदान करना चाहिए।' रूसी प्रवक्ता ने आगे कहा कि रूस अमेरिकी अधिकारियों द्वारा दिए गए उन बयानों को लेकर चिंतित है जिसमें उन्होंने कहा है कि वे वाशिंगटन के कुछ हितों की रक्षा होने तक ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई जारी रखना चाहते हैं। सुश्री जखारोवा ने कहा, 'हम देखते हैं कि ईरान की वैध सरकार देश में स्थिति को नियंत्रण में रखे हुए है और अराजकता, सत्ता शून्यता और मानवीय संकट को रोक रही है। फिर भी, ईरान के खिलाफ शुरू किया गया सैन्य अभियान आम नागरिकों, नागरिक अवसंरचना तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर परिणाम ला रहा है।'

आजमगढ़ में पोखरे में नहाने गयी दो किशोरियों की डूबने से मौत

आजमगढ़, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ जिले के निजामाबाद क्षेत्र में होली खेलने के बाद बुधवार देर शाम गांव के ही पोखरे में नहाने गईं दो सहेलियों की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। निजामाबाद थाना क्षेत्र के फत्तनपुर मुस्तफाबाद गांव में बुधवार को होली के पर्व के दौरान पोखरे में डूबने से दो किशोरियों की जान चली गई। मृतकों की पहचान 14 वर्षीय अंशिका और 18 वर्षीय शिवांगी के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष निजामाबाद, हीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि गांव की रहने वाली अंशिका और शिवांगी दोपहर में परिजनों व दोस्तों के साथ होली खेलने के बाद शरीर से रंग साफ करने के लिए गांव के पास स्थित एक पोखरे पर गई थीं। नहाते समय दोनों सहेलियां अनजाने में किनारे से गहरे पानी की ओर चली गईं। पानी की गहराई का अंदाजा न होने के कारण दोनों डूबने लगीं और चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीणों और परिजनों ने शोर सुनकर तुरंत पोखरे में छलांग लगाई और काफी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला। आनन-फानन में दोनों को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रानी की सराय ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद दोनों किशोरियों को मृत घोषित कर दिया।

अगला ईरानी सर्वोच्च नेता भी होगा हमारा निशाना: काट्ज

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने बुधवार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान में नियुक्त ऐसा कोई भी नया नेता, जो उनके देश को नष्ट करने की योजनाओं को आगे बढ़ाएगा, उसे सीधा निशाना बनाया जायेगा। श्री काट्ज ने सोशल मीडिया पर कहा कि इजरायल को नुकसान पहुंचाने, दुनिया को धमकाने और ईरानी लोगों का दमन करने की योजना को जारी रखने के लिए नियुक्त किया गया कोई भी व्यक्ति उनके 'उन्मूलन का लक्ष्य' होगा। उन्होंने कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसका नाम क्या है या वह कहाँ छिपा है।' श्री काट्ज ने कहा, 'हम अपने अमेरिकी सहयोगियों के साथ मिलकर शासन की क्षमताओं को कुचलने के लिए पूरी ताकत से काम करना जारी रखेंगे। हम ऐसी परिस्थितियाँ पैदा करेंगे जिससे ईरानी लोग इस शासन को उखाड़ फेंकें और इसे बदल सकें।' इजरायल के रक्षा मंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब क्षेत्र में इजरायल और ईरान दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव और तनाव अपने चरम पर है। श्री काट्ज का यह बयान तब आया जब कुछ मीडिया खबरों में दावा किया गया कि 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' ने दिवंगत अली खामेनेई के पुत्र श्री मुजतबा खामेनेई को इस्लामिक गणराज्य का नया सर्वोच्च नेता चुन लिया है।

केरल दौरे के दौरान राहुल सात मार्च को केरल के टेक्नोपार्क में आईटी के पेशेवरों से करेंगी बातचीत

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपने दो दिवसीय केरल दौरे के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के 150 से ज्यादा पेशेवरों से बातचीत करेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री गांधी सात मार्च को सुबह 10.30 बजे तिरुवनंतपुरम के टेक्नोपार्क के त्रावणकोर हॉल में आईटी के पेशेवरों से बातचीत करेंगे। इस कार्यक्रम के आयोजकों के मुताबिक इस कार्यक्रम में राज्य में काम कर रही अलग-अलग बड़ी कंपनियों के आईटी पेशेवर के साथ-साथ उनके मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और स्टार्टअप उद्यमी भी शामिल होंगे। बातचीत तकनीकी क्षेत्र , नवचार, उद्यमशीलता और केरल के बढ़ते आईटी इकोसिस्टम में रोजगार के मौकों से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित रहने की उम्मीद है। गौरतलब है कि टेक्नोपार्क भारत के प्रसिद्ध आईटी केंद्रों हब में से एक है, जहां पर कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आईटी कंपनियों और स्टार्टअप के केंद्र हैं।

बिहार में नीतीश के राज्यसभा जाने की खबर को लेकर कार्यकताओं में नाराजगी, सीएम आवास की सुरक्षा बढ़ी

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने और प्रदेश के सीएम पद को छोड़ने की चर्चा को लेकर जदयू के कार्यकताओं में जबरदस्त नाराजगी देखने को मिल रही है। गुरुवार को बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पटना में सीएम आवास के बाहर जुट गए हैं और इस निर्णय का विरोध कर रहे हैं। इसी बीच, मुख्यमंत्री आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मुख्यमंत्री आवास के मुख्य गेटों पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। आसपास के क्षेत्रों में भी गश्त तेज कर दी गई है और सुरक्षा कर्मियों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान सीएम आवास पर जदयू के कई नेता भी पहुंच रहे हैं। कार्यकताओं की नाराजगी साफ दिख रही है।

नीतीश के राज्यसभा जाने के निर्णय को लेकर कार्यकताओं में नाराजगी है। उनका कहना है कि लाठी खाकर हम लोगों ने नीतीश कुमार के लिए वोट मांगा। उनके अलावा किसी और को सीएम पद पर नहीं देख सकते। कार्यकताओं का कहना है कि नीतीश कुमार को हटाने की साजिश कभी कामयाब नहीं होगी। हमने किसी दूसरे के लिए वोट नहीं मांगा था। राज्य की महिलाएं भी इससे परेशान हैं। हम लोग अब यहीं डटे रहेंगे। कार्यकर्ता जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। दरअसल, नीतीश कुमार ने राज्यसभा सदस्य बनने की इच्छा व्यक्त की है। जदयू की ओर से उन्हें उम्मीदवार बनाने की तैयारी की जा रही है।

पश्चिम एशिया संकट का भारत में कच्चे तेल और गैस आपूर्ति पर असर नहीं : हरदीप पुरी

एजेंसी
नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत सरकार ने साफ किया है कि मौजूदा हालात को देखते हुए उसकी पूरी तैयारी है। केंद्रीय पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि तेल और गैस की आपूर्ति जारी रहेगी और कोई बाधा नहीं आएगी। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज मीडिया को बताया कि देश में क्रूड ऑयल और पेट्रोल, डीजल और एटीएफ जैसे ज़रूरी पेट्रोलियम उत्पाद का अच्छा स्टॉक है, ताकि मध्य पूर्व से होने वाली अल्पकालिक दिक्कतों से निपटा जा सके। उन्होंने मौजूदा हालात में देश की तैयारियों पर कहा कि भारत दुनियाभर में पेट्रोलियम उत्पाद का तीसरा सबसे बड़ा आयातक, चौथा सबसे बड़ा रिफाइनर और पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले कुछ सालों में भारत ने अपने सोर्स में बदलाव करके अपनी आबादी के लिए एनर्जी की उपलब्धता और किफायत दोनों पक्की की है। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारतीय ऊर्जा कंपनियों के पास अब ऐसी ऊर्जा सप्लाई का एक्सेस है, जो होर्मुज स्ट्रेट से होकर नहीं जाती हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे कार्गो उपलब्ध रहेंगे और होर्मुज स्ट्रेट से रास्ते में कुछ समय के लिए प्रभावित होने वाली सप्लाई को कम करने में मदद करेंगे। पुरी ने कहा कि मंत्रालय ने देशभर में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की सप्लाई और स्टॉक की स्थिति पर लगातार नज़र रखने के लिए एक 24×7 कंट्रोल रूम भी बनाया है।

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज पर जीएसटी चोरी करने के मामले में 4.24 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज पर आपूर्ति किए गए सामान का 'गलत क्लासिफिकेशन' दर्शाकर जीएसटी चोरी करने के मामले में 4.24 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। कंपनी को कुल 6.37 करोड़ रुपये का नोटिस जारी किया गया है। कंपनी ने कहा कि वह इस आदेश के खिलाफ उपलब्ध कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है। ब्रिटानिया नेशेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि यह आदेश केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) और केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, ठाणे कार्यालय की ओर से जारी किया गया है। ये मामला वित्त वर्ष 2020-21 से 2023-24 के बीच का है। कंपनी ने कहा कि इस नोटिस का उसके कारोबार या वित्तीय स्थिति पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। साथ ही कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वह इस आदेश के खिलाफ कानूनी कदम उठाएगी। कंपनी को यह आदेश सीजीएसटी और सेंट्रल एक्साइज कमिश्नर के ऑफिस से जीएसटी एक्ट के सेक्शन 74 के तहत दिया गया है, जिसमें आपूर्ति किए गए सामान के 'गलत क्लासिफिकेशन' के कारण कर का भुगतान न करने का आरोप है। विभाग ने कंपनी से 2.12 करोड़ रुपये कर और 4.24 करोड़ रुपये जुर्माना जमा करने को कहा है। इस तरह कुल 6.37 करोड़ रुपये की मांग की गई है। इसके अलावा कंपनी को ब्याज भी देना होगा।

रुपया ऐतिहासिक निचले स्तर पर, डॉलर पहली बार 92 रुपये के पार

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 55.75 पैसे टूटकर 92.05 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।यह पहली बार है जब डॉलर 92 रुपये से ज्यादा महंगा हुआ है। रुपये में इस ऐतिहासिक गिरावट की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में जारी राजनीतिक तनाव को माना जा रहा है। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 91.4925 प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपये पर आज शुरू से ही दबाव रहा और यह 55.75 पैसे गिरकर 92.05 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। बीच कारोबार में एक समय भारतीय मुद्रा 92.35 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गयी थी। यह ऊपर 91.95 प्रति डॉलर तक मजबूत हुई थी। अंत में यह 92.05 रुपये प्रति डॉलर पर ही बंद हुई।वैश्विक स्तर पर दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में आज डॉलर में नरमी रही। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट देखी गयी। इसके बावजूद मंगलवार को इन दोनों की कीमतों में रही तेजी के कारण आज भारतीय मुद्रा पर दबाव रहा। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को महाराष्ट्र में होली की छुट्टी होने के कारण बाजार बंद था।

खजूरी खास में बनेगा पर्यावरण-अनुकूल केंद्रीय विद्यालय, एनबीसीसी करेगी 47.80 करोड़ की परियोजना का निर्माण

नई दिल्ली। एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड खजूरी खास, उत्तर-पूर्वी दिल्ली में केंद्रीय विद्यालय के स्थायी परिसर का निर्माण करेगी। इस परियोजना के लिए 2 मार्च 2026 को भूमि पूजन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें रेखा गुप्ता, आशीष सूद, मनोज तिवारी और कपिल मिश्रा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अक्टूबर 2025 में खजूरी खास में नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की घोषणा की थी, ताकि क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके। करीब 47.80 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह दो-सेक्शन विद्यालय 1.82 एकड़ भूमि पर विकसित होगा। 8,725 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बनने वाला यह भवन भूतल सहित चार मंजिलों वाला होगा और 1,520 विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त रहेगा। परिसर में 38 हवादार कक्षाएं, दोहरी ऊंचाई वाली भव्य प्रवेश लॉबी, बहुउद्देशीय कोर्ट, बाल वाटिका खेल क्षेत्र, लिफ्ट और पार्किंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते तमिलनाडु का अंडा उद्योग प्रभावित, कीमतों में भारी गिरावट

एजेंसी
नामक्कल। पश्चिम एशिया के देशों में जारी युद्ध और बढ़ते तनाव का असर अब तमिलनाडु के अंडा उद्योग पर स्पष्ट दिखने लगा है। राज्य के प्रमुख पोल्ट्री केंद्र नामक्कल सहित कई जिलों में अंडों का भंडारण तेजी से बढ़ा है, वहीं कीमतों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। उत्पादकों ने आशंका जताई है कि यदि हालात जल्द सामान्य नहीं हुए तो दाम और नीचे जा सकते हैं। तमिलनाडु के नामक्कल जिले से संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों को बड़े पैमाने पर अंडों का निर्यात किया जाता रहा है। भारत से होने वाले कुल अंडा निर्यात में अकेले नामक्कल की हिस्सेदारी 83.42 प्रतिशत है, जिससे यह देश में पहले स्थान पर बना हुआ है। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण इन देशों को अंडों का निर्यात पूरी तरह ठप हो गया है। इसके परिणामस्वरूप

नामक्कल और आसपास के जिलों में अंडों का भारी स्टॉक जमा हो गया है। पोल्ट्री फार्म संचालक अंडों को कोल्ड स्टोरेज में सुरक्षित रख रहे हैं और नुकसान कम करने के लिए अंडा पाउडर उत्पादन की ओर रुख कर रहे हैं। राज्य में एक अंडे की कीमत 6 रुपये से घटकर 4.30 रुपये तक पहुंच गई है। इसके अतिरिक्त तमिलनाडु और केरल में रमजान तथा ईसाई समुदाय के लेंट (उपवास काल) शुरू होने से मांग में भी गिरावट आई है। मांग और निर्यात–दोनों में कमी आने से कीमतों पर लगातार दबाव बना हुआ है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में वैश्विक अंडा निर्यात में भारत 13वें स्थान पर था, जबकि 2025 में 2.6 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ 10वें स्थान पर पहुंच गया। इसमें तमिलनाडु की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। भारत से निर्यात होने वाले कुल अंडों में तमिलनाडु की हिस्सेदारी 91.51 प्रतिशत है, जिसकी अनुमानित कीमत 1,355.90 करोड़ रुपये आंकी गई है। इनमें अकेले नामक्कल जिले का योगदान पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना होकर 1,234.42 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उत्पादकों का कहना है कि यदि युद्ध की स्थिति जल्द सामान्य नहीं हुई तो अंडा उद्योग को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है, जिससे हजारों किसानों और श्रमिकों की आजीविका प्रभावित हो सकती है।

पश्चिम एशिया के तनाव से सहमी भारतीय मुद्रा, डॉलर की तुलना में रिकॉर्ड गिरावट

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में मचे हाहाकार के बीच आज रुपया भी रिकॉर्ड स्तर तक नीचे गिर गया। अमेरिकी डॉलर की तुलना में अभी तक के सबसे निचले स्तर 92.02 पर रुपया खुला। इस तरह कारोबार की शुरुआत होते ही रुपया डॉलर की तुलना में 55 पैसे फिसल कर पहली बार 92 रुपये प्रति डॉलर के स्तर के नीचे आ गया। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को रुपया डॉलर की तुलना में 91.47 के स्तर पर बंद हुआ था। आज के पहले इसी साल जनवरी में भी भारतीय मुद्रा 91.98 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक फिसल गई थी। इंटर बैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में कारोबार की शुरुआत होने के बाद से ही रुपये पर लगातार दबाव बढ़ता गया। कारोबार शुरू होने के कुछ देर बाद ही भारतीय मुद्रा 92.30 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक फिसल गई। हालांकि बाद में इसकी स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ। डॉलर की मांग में मामूली गिरावट आने के कारण दोपहर 12 बजे भारतीय मुद्रा 77 पैसे की कमजोरी के साथ 92.25 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रही थी। मुद्रा बाजार के अभी तक के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) के मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया। वहीं यूरो के मुकाबले रुपये के भाव में आज तेजी दर्ज की गई। दोपहर 12 बजे तक के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 1.14 रुपये की कमजोरी के साथ 122.79 के स्तर पर पहुंच गया था। इसके विपरीत यूरो की तुलना में रुपया 43.12 पैसे की मजबूती के साथ 106.90 के स्तर पर पहुंच कर कारोबार कर रहा था। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि कच्चे तेल की कीमत में आई जोरदार तेजी और पश्चिम एशिया के संकट की वजह से रुपये पर दबाव काफी बढ़ गया है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी चमक

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी के भाव ने कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 2,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,64,500 रुपये से लेकर 1,64,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,50,790 रुपये से लेकर 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,64,650 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,64,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,64,550 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,64,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,50,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,64,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,64,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,50,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,64,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,64,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,50,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,64,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है।

ईरान में युद्ध लंबा चला तो बढ़ सकती हैं वैश्विक चुनौतियां, फिलहाल भारत पर कोई असर नहीं- एन चंद्रशेखरन

एजेंसी
जमशेदपुर। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध और वैश्विक परिस्थितियों को लेकर टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यदि ईरान में युद्ध लंबा खिंचता है तो इसका असर वैश्विक व्यापार और आपूर्ति व्यवस्था पर पड़ सकता है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा की 187वीं जयंती के अवसर पर जमशेदपुर पहुंचे थे। इस दौरान टाटा स्टील परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में उन्होंने संस्थापक को श्रद्धांजलि अर्पित की और शहरवासियों को संस्थापक दिवस की शुभकामनाएं दीं। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि मिडिल ईस्ट क्षेत्र से टाटा समूह को लाइमस्टोन सहित अन्य कच्चे माल का आयात होता है। समूह का कारोबार वैश्विक स्तर पर फैला हुआ है, ऐसे में किसी भी लंबे युद्ध का प्रभाव सप्लाई चेन, माल की डिलीवरी, लॉजिस्टिक्स और सस्टेनेबिलिटी पर पड़ सकता है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि

फिलहाल इस युद्ध का टाटा समूह या भारत पर कोई सीधा असर नहीं पड़ा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि टाटा समूह के कर्मचारी विश्व भर में मैन्युफैक्चरिंग, सर्विसेज, होटल और अन्य क्षेत्रों में कार्यरत हैं। ऐसे में सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा समूह की सर्वोच्च प्राथमिकता है और कंपनी इस दिशा में सतर्कता के साथ आवश्यक कदम उठा रही है। रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि नई इकाइयों की स्थापना और विस्तार योजनाओं के कारण रोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले पांच-छह वर्षों में समूह के कर्मचारियों की संख्या लगभग 7 लाख तक थी, लेकिन अब बढ़कर 11 लाख तक पहुंच चुकी है। वहीं आने वाले 5-6 साल में इसे 15 लाख तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही महिला कर्मचारियों की भागीदारी 28-30 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। आईटी क्षेत्र पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि नई तकनीकों के आगमन से रोजगार को लेकर आशंकाएं स्वाभाविक हैं, लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से स्टील, ऑटोमोबाइल, फाइनेंस और अन्य क्षेत्रों में नए अवसर उत्पन्न होंगे। इसका सकारात्मक लाभ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को भी मिलेगा। इस अवसर पर टाटा स्टील के सीईओ टी वी नरेन्द्रन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस में सिंधिया ने किया भारत की भागीदारी का नेतृत्व, सस्ती और बुद्धिमान कनेक्टिविटी का रखा दृष्टिकोण

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने स्पेन के बार्सिलोना में आयोजित मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस में भारत की भागीदारी का नेतृत्व किया। उन्होंने सस्ती, समावेशी और भविष्य उन्मुख डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए भारत का दृष्टिकोण वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जीएसएमए के मंत्रीस्तरीय सत्र में 'ब्रेकिंग द कॉस्ट बैरियर' विषय पर समापन मुख्य वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि विश्व में 3.1 अरब लोग अब भी डिजिटल भागीदारी से वंचित हैं। उपकरण और सेवाओं की वहनीयता डिजिटल समावेशन की कुंजी है। उन्होंने कहा कि भारत ने नीति सुधार, प्रतिस्पर्धा और पैमाने के माध्यम से डाटा लागत में उल्लेखनीय कमी लाई है। 5जी से लेकर उभरते 6जी पारिस्थितिकी तंत्र तक कनेक्टिविटी को किफायती रखना सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके अलावा उन्होंने मुख्य मंच पर 'बिल्ट फॉर व्हाट्स नेक्स्ट' सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नेटवर्क अब केवल पहुंच का साधन नहीं, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित, क्लाउड-नेटिव और मानव केंद्रित प्लेटफॉर्म बन रहे हैं। भविष्य की कनेक्टिविटी तेज गति के

साथ सुरक्षित, लचीले और निर्बाध डिजिटल अनुभव पर आधारित होगी। साथ ही सिंधिया ने भारत मंडप का उद्घाटन किया। इस वर्ष 40 भारतीय कंपनियां और नवाचारकर्ता इसमें भाग ले रहे हैं। मंडप में 4जी, 5जी रेडियो नेटवर्क, ऑप्टिकल ट्रांसपोर्ट, ब्रॉडबैंड, सैटेलाइट संचार, एआई आधारित नेटवर्क प्रबंधन, आईओटी और डाटा सेंटर समाधान प्रदर्शित किए गए। यह भारत के डिजाइन आधारित विनिर्माण और वैश्विक विश्वसनीय भागीदार के रूप में उभार को दर्शाता है। उन्होंने इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2026 का कर्टन रेजर भी जारी किया। यह आयोजन 7 से 10 अक्टूबर 2026 तक नई दिल्ली में होगा। सिंधिया ने तेजस नेटवर्क्स के स्टॉल पर टीजे1600-डी3 हाइपर-स्केलेबल डीसीआई प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया। उन्होंने एरिक्सन, नोकिया, इंटेल, सिस्को और क्वालकॉम के स्टॉल का दौरा किया और नई तकनीकों की जानकारी ली। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ की महासचिव डोरीन बोगडन-मार्टिन से मुलाकात की। साथ ही यूटेलसैट और वायसैट सहित कई वैश्विक कंपनियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। भारती समूह के सुनील भारती मित्तल सहित भारतीय उद्योग प्रतिनिधियों से भी उन्होंने संवाद किया। उल्लेखनीय है कि मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2026 का आयोजन 2 से 5 मार्च तक बार्सिलोना में हो रहा है। इसका आधिकारिक विषय 'द आईक्यू एरा' है। भारत की भागीदारी का समन्वय दूरसंचार उपकरण एवं सेवा निर्यात संवर्धन परिषद ने दूरसंचार विभाग के सहयोग से किया है।

पश्चिम एशिया के युद्ध हालातों के बीच भारत की आर्थिक तैयारी

एजेंसी
नई दिल्ली।पश्चिम एशिया में अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को अनिश्चितता के दौर में ला खड़ा किया है। समुद्री व्यापार मार्गों पर खतरा बढ़ रहा है, बीमा लागत में उछाल आया है और कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता ने वैश्विक बाजार को बेचैन कर दिया है। भारत जो ऊर्जा आयात और निर्यात दोनों के लिहाज से इस क्षेत्र पर काफी निर्भर है, ने हालात की गंभीरता को समझते हुए त्वरित और समन्वित कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि अंतरराष्ट्रीय संकट चाहे जितना भी गहरा क्यों न हो भारत का व्यापारिक पहिया रुकने नहीं दिया जाएगा। पश्चिम एशिया भारत के लिए आर्थिक जीवनरेखा है। भारत अपने कच्चे तेल का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आयात करता है। हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य और लाल सागर जैसे समुद्री मार्ग यदि असुरक्षित होते हैं, तब इसका सीधा प्रभाव भारत की ऊर्जा सुरक्षा और निर्यात-आयात गतिविधियों पर पड़ता स्वभाविक है। हाल के घटनाक्रमों में जहाजों पर हमलों और सैन्य गतिविधियों में तेजी ने बीमा कंपनियों को युद्ध जोखिम प्रीमियम बढ़ाने के लिए मजबूर किया है। इन हालातों के बीच केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सभी संबंधित मंत्रालयों, प्रमुख लॉजिस्टिक्स कंपनियों और व्यापार सुविधा भागीदारों के साथ एक उच्चस्तरीय परामर्श बैठक आयोजित की। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि सरकार स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और किसी भी संभावित व्यवधान से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। बैठक में समुद्री मार्गों की सुरक्षा, बीमा लागत में उछाल, वैकल्पिक शिपिंग मार्गों और निर्यात-आयात प्रक्रियाओं में संभावित बाधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सरकार ने संकेत दिया है कि निर्यात से जुड़े प्राधिकरणों में प्रक्रियात्मक लचीलापन दिया जाएगा।

कमजोर लिस्टिंग के बाद संभले पीएनजीएस रेवा डायमंड के शेयर, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी
नई दिल्ली। डायमंड ज्वेलरी प्रोडक्शन सेक्टर में काम करने वाली कंपनी पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वेलरी लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में डिस्काउंट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। हालांकि बाद में खरीदारों ने लिवाली कर इस शेयर को फायदे में पहुंचा कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश भी कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 386 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 3.60 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 372 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बनने पर ये शेयर टूट 360 रुपये के स्तर तक गिर गया। इस बड़ी गिरावट के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण ये शेयर उछल कर 433 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 411.70 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कमजोर शुरुआत के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 25.70 रुपये यानी 6.66 प्रतिशत का फायदा हो गया। पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वेलरी लिमिटेड का 380 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 26 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.54 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.29 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 98,44,559 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी 2028 तक 15 नए स्टोर खोलने, रेवा ब्रांड की मार्केटिंग और प्रमोशन करने, और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 51.75 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 42.41 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 59.47 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 20.13 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 199.35 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में कम होकर 196.24 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 259.11 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

डॉलर के सामने कमजोर होता रुपया: वैश्विक संकट, घरेलू चुनौतियां और आर्थिक चेतावनी

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए रुपया देश की आर्थिक शक्ति और स्थिरता का प्रतीक है। लेकिन हाल के दिनों में इसकी लगातार गिरती कीमत ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 4 मार्च 2026 को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिरकर 92.05 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले जनवरी में यह 91.98 तक गिरा था। वर्ष 2026 की शुरुआत से ही रुपये में लगभग 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की जा चुकी है और यह स्थिति बताती है कि वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू आर्थिक चुनौतियों का असर भारतीय मुद्रा पर तेजी से पड़ रहा है। रुपये की इस कमजोरी के पीछे वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता की बड़ी भूमिका है। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव, विशेष रूप से इजराइल और ईरान के बीच टकराव की स्थिति ने अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार को अस्थिर कर दिया है। इसके चलते कच्चे तेल की कीमत 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गई है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। जब तेल महंगा होता है तब भारत को उसे खरीदने के लिए अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। इसका सीधा असर विदेशी मुद्रा की मांग पर पड़ता है और परिणामस्वरूप रुपया कमजोर होने लगता है। इसके साथ यह भी सच है कि सिर्फ तेल की कीमतें ही रुपये की गिरावट का कारण नहीं हैं। वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता के समय निवेशक आमतौर पर जोखिम भरे बाजारों से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश की ओर रुख करते हैं। अमेरिकी डॉलर को दुनिया में लंबे समय से सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता है। जब वैश्विक तनाव बढ़ता है तब विदेशी निवेशक शेयर बाजार जैसे उभरते बाजारों से पूंजी निकालकर डॉलर में निवेश करने लगते हैं। यही कारण है कि हाल के दिनों में भारतीय बाजार से भी विदेशी निवेश की गति कुछ धीमी पड़ी है और इससे रुपये पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। इस स्थिति का तीसरा बड़ा पहलू महंगाई की आशंका है। तेल की कीमतों में वृद्धि का असर ईंधन तक सीमित नहीं रहता वह परिवहन लागत, उत्पादन लागत और अंततः रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों तक पहुंचता है। जब तेल महंगा होता है तब उद्योगों की लागत बढ़ती है और महंगाई का दबाव पैदा होता है।

REC Limited को नेशनल लीडरशिप समिट एंड अवार्ड्स 2026 में दो सम्मान

एजेंसी
मुंबई। REC Limited, जो विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक महारत्न सीपीएसई और अग्रणी एनबीएफसी है, ने 27 फरवरी को मुंबई स्थित बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में आयोजित नेशनल लीडरशिप समिट एंड अवार्ड्स 2026 में दो प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। आरईसी लिमिटेड के पूर्व निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी हर्ष बावेजा को इंडियाज़ मोस्ट इन्फ्लुएंशियल सीएफओ 2026 अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मई 2024 से जनवरी 2026 तक उनके कार्यकाल के दौरान प्रदर्शित उत्कृष्ट नेतृत्व और महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया गया। बावेजा ने समारोह में स्वयं यह सम्मान ग्रहण किया। इसके अतिरिक्त, आरईसी लिमिटेड को हेल्थकेयर एक्सेस के क्षेत्र में उत्कृष्ट सीएसआर कार्यों के लिए इंडिया सीएसआर इनिशिएटिव्स एंड सोशल इम्पैक्ट अवार्ड से नवाज़ा गया। यह सम्मान समावेशी विकास और प्रभावशाली सामाजिक पहल के प्रति संगठन की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पुरस्कार आरईसी की ओर से आलोक सिंह, चीफ प्रोग्राम मैनेजर, रीजनल ऑफिस मुंबई ने प्राप्त किया। ये दोनों सम्मान वित्तीय उत्कृष्टता और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में आरईसी लिमिटेड की अग्रणी भूमिका को रेखांकित करते हैं।

घरेलू शेयर बाजार पर पश्चिम एशिया तनाव का असर, लगातार तीसरे दिन बड़ी गिरावट

एजेंसी
नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे कारोबारी दिन बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार के प्रमुख सूचकांक आज दबाव के साथ खुले। दोपहर 12 बजे तक बाजार में कोई खास रिकवरी नजर नहीं आई। इसके बाद दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक निचले स्तर से काफी हद तक रिकवर करने में सफल रहे। हालांकि आखिरी आधे घंटे के कारोबार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से दोनों सूचकांकों में एक बार फिर गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.40 प्रतिशत और निफ्टी 1.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज पूरे दिन के कारोबार के दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसयू बैंक, रियल्टी और मीडिया सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल, मेटल, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। सिर्फ बीएसई का टेक इंडेक्स आज के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट की वजह से 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 2.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में दस लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 446.80 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 456.90 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 10.10 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,433 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,052 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,237 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 144 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,964 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 525 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,439 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 3 शेयर बढ़त के साथ और 27 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 4 शेयर हरे निशान में और 46 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 1,710.03 अंक की गिरावट के साथ 78,528.82 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। बिकवाली का दबाव बनने पर सेंसेक्स 1,795.65 अंक गिर कर 78,443.20 अंक के स्तर तक आ गया। दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से शाम तीन बजे के करीब यह सूचकांक निचले स्तर से 1,084.51 अंक की रिकवरी कर 711.44 अंक की कमजोरी के साथ 79,527.41 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 411.22 अंक टूट कर 1,122.66 अंक की गिरावट के साथ 79,116.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

शादी के बंधन में बंधे अर्जुन तेंदुलकर, शादी में पहुंचे राहुल, धोनी और युवराज

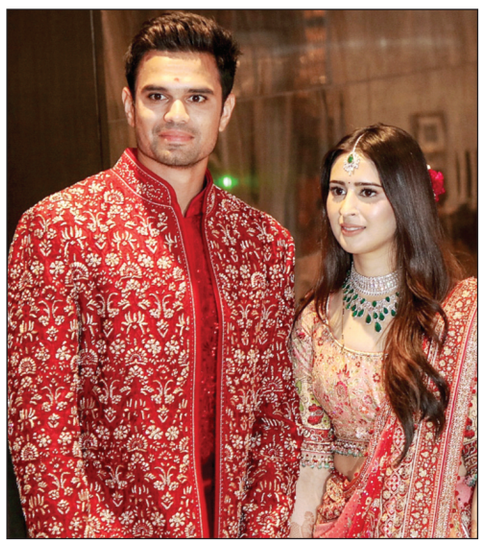

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज की शादी मुंबई में सानिया चंडोक के साथ धूमधाम से संपन्न हुई। अर्जुन और सानिया को अपना आशीर्वाद देने के लिए भारत के कई दिग्गज क्रिकेटर समारोह में पहुंच चुके हैं।

शादी समारोह में पहुंचने वाले प्रमुख नामों में पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी, पूर्व कप्तान और हेड कोच राहुल द्रविड़, महान लेग-स्पिनर अनिल कुंबले, दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह, पूर्व क्रिकेटर और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद शामिल हैं।

अर्जुन की शादी की रस्में इस हफ्ते की शुरुआत में कई पारंपरिक रस्मों और सेलिब्रेशन के साथ शुरू हुईं। मुंबई में मेहंदी और संगीत फंक्शन समेत शादी से पहले के इवेंट हुए, जिसमें कई पूर्व और मौजूदा क्रिकेटर शामिल हुए थे। महीनों की तैयारियों और सेलिब्रेशन के बाद गुरुवार को अपनी लॉन्ग-टाइम पार्टनर सानिया चंडोक से शादी करने वाले हैं।

कपल ने अगस्त 2025 में एक प्राइवेट सेरेमनी में सगाई की, जिसमें करीबी परिवार के सदस्य और दोस्त शामिल हुए थे।

अर्जुन अपने पिता की तरह क्रिकेटर हैं। वह गोवा की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। आईपीएल में मुंबई इंडियंस के बाद अगले सीजन से पहले वह एलएसजी से जुड़ चुके हैं।

अर्जुन की मंगेतर, सानिया, मुंबई की एक एंटरप्रेन्योर हैं जो एक जाने-माने बिजनेस परिवार से हैं। वह ग्रेविस ग्रुप के चेयरमैन, उद्योगपति रवि घई की पोती हैं। उन्होंने पेट-केयर और एनिमल वेलफेयर क्षेत्र में अपना करियर बनाया है और वे एक वेटेरिनरी टेक्नीशियन और एंटरप्रेन्योर के तौर पर अपने काम करती हैं।

सचिन तेंदुलकर ने अर्जुन के शादी का निमंत्रण राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भी दिया है। तेंदुलकर ने महाराष्ट्र के शीर्ष नेताओं और उद्योगपतियों को भी शादी का निमंत्रण दिया है।

क्रिकेट करियर की बात करें तो अर्जुन तेंदुलकर जल्द ही एक बार फिर मैदान पर नजर आने वाले हैं। वे आगामी IPL 2026 में नई टीम के साथ खेलते दिखाई देंगे। मिनी ऑक्शन से पहले अर्जुन का ट्रेड Mumbai Indians से Lucknow Super Giants में हो गया था, जिसके बाद इस सीजन में वे लखनऊ की जर्सी में खेलते नजर आएंगे। अर्जुन ने आईपीएल में 2023 में डेब्यू किया था और अब तक 5 मैचों में 3 विकेट हासिल कर चुके हैं। घरेलू क्रिकेट में वे Goa cricket team का प्रतिनिधित्व करते हैं।

संक्षिप्त

वेस्टइंडीज टीम के हेड कोच डैरेन सैमी जताई निराशा

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को सुपर-8 के अपने आखिरी मुकाबले में भारत के खिलाफ 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के साथ ही वेस्टइंडीज का सफर टी20 विश्व कप 2026 से समाप्त हो गया। विश्व कप में सफर समाप्त होने के बावजूद वेस्टइंडीज की टीम स्वदेश नहीं लौट पा रही है। वेस्टइंटीज के हेड कोच डैरेन सैमी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अपनी निराशा जाहिर की है। सैमी ने एक्स पर लिखा, "मैं बस घर जाना चाहता हूं। ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध की वजह से हवाई यातायात प्रभावित हुआ है। इसी वजह से वेस्टइंडीज की टीम पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक स्वदेश नहीं लौट सकी है। उनके लौटने का इंतजार बढ़ता जा रहा है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय एयरस्पेस पाबंदियों के कारण भारत से सीनियर पुरुष टीम के लौटने में देरी हुई है। बोर्ड ने कहा कि खिलाड़ी, कोच और अधिकारी सभी भारत में हैं और सुरक्षित हैं। उनकी वापसी का इंतजाम किया जा रहा है।

न्यूज़ीलैंड ने हमें बुरी तरह हरा दिया : कॉनराड

कोलकाता, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के हेड कोच शुकरी कॉनराड ने माना कि उनकी टीम को टी 20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में न्यूज़ीलैंड ने बुरी तरह हरा दिया।

दक्षिण अफ्रीका टूर्नामेंट में सात मैचों से बिना हारे नॉकआउट मुकाबले में उतरी थी, लेकिन ओपनर फिन एलन की रिकॉर्ड तोड़ सेंचुरी ने न्यूज़ीलैंड को ज़बरदस्त जीत दिलाई और फाइनल में जगह दिलाई। जब पूछा गया कि क्या दक्षिण अफ्रीका ने एक बार फिर एक अहम नॉकआउट गेम में "चोक" किया, तो कॉनराड ने इस बात को खारिज कर दिया, और कहा कि उनकी टीम बस हार गई। आईसीसी ने कॉनराड के हवाले से कहा, "मुझे नहीं पता कि आज रात चोक था या नहीं। मुझे लगा कि यह एक ज़बरदस्त हार थी। हमारी बुरी तरह पिटाई हुई। मुझे लगता है कि अगर आप हार मान लेते हैं, तो गेम में आपको थोड़ी सी भी उम्मीद होनी चाहिए। हमें कोई उम्मीद नहीं थी। दक्षिण अफ्रीका में, हम कहते हैं कि हम हार जाएंगे। आज रात, हमारी अच्छी खासी हार हुई। भारी हार के बावजूद, कोच ने कहा कि टूर्नामेंट में प्रोटियाज़ के लिए कई अच्छी बातें भी रहीं।

टॉप इंडियन राइफल और पिस्टल शूटर नेशनल सिलेक्शन ट्रायल्स 3 के लिए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप 2026 में घरेलू मैदान पर शानदार प्रदर्शन के बाद, जहाँ इंडिया ने 39 गोल्ड, 18 सिल्वर और 19 ब्रॉन्ज़ सहित 76 मेडल जीतकर मेडल टैली में टॉप किया था, टॉप इंडियन राइफल और पिस्टल शूटर अब अपना ध्यान नेशनल सिलेक्शन ट्रायल्स 3 (ग्रुप ए) पर लगाएंगे, जो अगले महीने शुरू होने वाले बिज़ी इंटरनेशनल और डोमेस्टिक कैलेंडर से पहले 06-10 मार्च, 2026 के बीच दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में होगा। भारत के लगभग सभी टॉप शूटर 10 इवेंट्स में हिस्सा लेंगे, जिसमें सभी आठ ओलंपिक इवेंट्स के साथ-साथ पुरुषों और महिलाओं के लिए राइफल प्रोन कॉम्पिटिशन भी शामिल हैं। एथलीट साल के दूसरे हाफ में इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन के लिए नेशनल स्क्वॉड में सिलेक्शन का अपना दावा मजबूत करने के लिए स्कोर पक्का करने की कोशिश करेंगे। ग्रुप बी एथलीट के लिए राइफल/पिस्टल सिलेक्शन ट्रायल 3 और 4 भी कल से शुरू होंगे, जो 06-22 मार्च, 2026 तक भोपाल में एम.पी. स्टेट शूटिंग एकेडमी में होंगे। सिलेक्शन ट्रायल पूरे होने के बाद, नेशनल स्क्वाड एथलीट 10-21 मार्च, 2026 तक नई दिल्ली में अपना कोचिंग कैंप शुरू करेंगे।

भारत ने इंग्लैंड को रौंदकर कटाया फाइनल का टिकट

संजू सैमसन-शिवम दुबे ने छुड़ाए अंग्रेजों के छक्के

- फाइनल में भारत का सामना न्यूजीलैंड से
- 8 मार्च को खेला जाएगा फाइनल मैच

मुंबई, एजेंसी। वानखेड़े स्टेडियम में गुरुवार रात रनों का ऐसा तूफान उठा कि अंग्रेज गेंदबाज उसमें उड़ गए। क्या जोफ्रा आर्चर और क्या सैम करन, जो सामने आया भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसी कुटाई की कि वह छुपने की जगह ढूंढते दिखे।

टीम इंडिया ने 7 रन से जीत दर्ज कर फाइनल का टिकट कटाया। 8 मार्च को फाइनल में भारत का सामना न्यूजीलैंड से होगा। यह मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

संजू सैमसन ने तीसरे ओवर (15 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे) में मिले जीवनदान का पूरा फायदा उठाया और तूफानी पारी खेली।

संजू सैमसन (89) के अलावा ईशान किशन (39), शिवम दुबे (43) और तिलक वर्मा (21) भी सिक्स हिटिंग मशीन बन गए। ऐसे में भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 250 से ज्यादा स्कोर बनाया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 253 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड टीम जैकब बेथेल के शतक के बाद भी तय ओवर में 7 विकेट खोकर 246 रन बना सकी।

संजू को मिला जीवनदान

बल्लेबाजी का आमंत्रण पाकर उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और अभिषेक शर्मा (9) एक बार फिर नाकाम रहे। अगले ही ओवर में संजू सैमसन को एक जीवनदान भी मिला। कप्तान हैरी ब्रूक ने उनका आसान कैच छोड़ दिया। इसके बाद तो संजू ने इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों को आड़े हाथों लिया। ईशान किशन ने भी उनका भरपूर साथ दिया। दोनों ने 45 गेंदों पर 97 रन जोड़े।

शतक से चूके संजू सैमसन

ईशान ने 18 गेंदों पर 39 रन ठोके। अपनी इस पारी में उन्होंने 4 चौके और 2 सिक्स लगाए। शतक की ओर बढ़ रहे संजू सैमसन के रूप में भारत को तीसरा झटका लगा। पिछले मैच के हीरो संजू ने 42 गेंदों पर 89 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 8 चौके और 7 छक्के लगाए। इसके साथ ही संजू ने सिक्स का खास रिकॉर्ड भी बनाया।

शिवम दुबे हुए रन आउट

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव (11) बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। बल्लेबाजी में प्रमोट होकर 4 नंबर पर उतरे शिवम दुबे ने अपने होम ग्राउंड पर छक्कों की लाइन लगा दी। दुबे ने अपनी पारी में 4 सिक्स और 1 चौका लगाया। हालांकि, हार्दिक पांड्या के साथ तालमेल में कमी के कारण वह रन आउट हुए। शिवम दुबे ने 25 गेंदों पर 43 रन की पारी खेली।

तिलक ने जड़ दिए 3 छक्के

7 नंबर पर उतरे तिलक वर्मा ने फिनिशर का रोल बखूबी निभाया और 3 छक्कों की मदद से 7 गेंदों पर 21 रन कूट दिए। हार्दिक पांड्या (27) भी रन आउट हुए। अक्षर पटेल 2 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड की ओर से विल जैक्स और आदिल रशीद के खाते में 2-2 विकेट आए। वहीं जोफ्रा आर्चर को 1 सफलता मिली। जोफ्रा आर्चर ने 4 ओवर में 61 रन लुटा दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। सैम करन ने 53 रन खर्च किए।

पावरप्ले में गिरे 3 विकेट

254 रन चेज करने उतरी इंग्लैंड को दूसरे ही ओवर में पहला झटका लगा। हार्दिक पांड्या ने पहली गेंद पर ही फिल सॉल्ट (5) का शिकार किया। अक्षर पटेल ने यह कैच को लपका। 5वां ओवर कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जसप्रीत बुमराह को थमाया। बुमराह ने पहली गेंद पर ही कप्तान हैरी ब्रूक (7) को अपने जाल में फंसा लिया। इस कैच को भी अक्षर पटेल ने लिया।

पावरप्ले के आखिरी ओवर में 3 छक्के खाने के बाद वरुण चक्रवर्ती ने जोस बटलर को बोल्ड किया। खराब फॉर्म से जूझ रहे बटलर ने 17 गेंदों का सामना किया और 25 रन बनाए। 8वें ओवर में अक्षर पटेल ने टॉम बेंटन को बोल्ड किया। बेंटन खतरनाक होते जा रहे थे और उन्होंने 5 गेंदों पर 17 रन ठोक दिए थे। 10 ओवर के बाद इंग्लैंड का स्कोर 4 विकेट के नुकसान पर 119 रन थे। अगली 60 गेंदों पर टीम को जीत के लिए 135 रनों की जरूरत थी।

इसके बाद जैकब बेथेल को विल जैक्स का साथ मिला और दोनों ने भारतीय गेंदबाजों पर जमकर प्रहार किया। इस जोड़ ने मिलकर बड़े शॉट लगाए और जरूरी रन रेट को कम किया।

हार्दिक पांड्या ने केएल राहुल को पीछे छोड़ा

दरअसल, इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे सेमीफाइनल मैच में 23 रन बनाने के साथ ही हार्दिक पांड्या ने एक बड़ा मुकाम हासिल किया। वो टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले चौथे भारतीय बैटर बन गए हैं। इस मामले में हार्दिक ने केएल राहुल को पछाड़ दिया है। हार्दिक से ऊपर अभी सूर्यकुमार यादव, विराट कोहली और रोहित शर्मा मौजूद हैं।
टी20 में सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो सबसे ऊपर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा मौजूद हैं, जिन्होंने 4,231 रन बनाए हैं। रोहित के बाद किंग कोहली ने 4,188 बनाए हैं। हालांकि, रोहित और विराट ने 2024 में ही टी20 से संन्यास ले लिया था। अब दोनों सिर्फ वनडे मैच खेलते हैं।

दक्षिण अफ्रीका को रौंदने के बाद एलन का फोकस अब फ़ाइनल पर

- एलन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेन्स टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास का सबसे तेज़ शतक बनाया

कोलकाता, एजेंसी। सेंचुरी बनाने वाले फिन एलन ने रिकॉर्ड तोड़ पारी खेलकर न्यूज़ीलैंड को सेमीफ़ाइनल में साउथ अफ्रीका पर नौ विकेट से शानदार जीत दिलाने के बाद तुरंत अपना फ़ोकस टी 20 वर्ल्ड कप के रविवार के फ़ाइनल पर कर लिया।

एलन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेन्स टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास का सबसे तेज़ शतक बनाया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज़ ने सिर्फ़ 33 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जिससे क्रिस गेल का 47 गेंदों में बनाया गया पिछला रिकॉर्ड टूट गया।

इस धमाकेदार ओपनर ने 10 चौके और आठ छक्के लगाए, और टिम सीफ़र्ट (58) के साथ ज़बरदस्त पार्टनरशिप की, जिससे न्यूज़ीलैंड ने 13 ओवर से कम समय में 170 रन का टारगेट हासिल कर लिया।

इस शानदार जीत ने ब्लैक कैप्स को 2021 के बाद पहली बार T20 वर्ल्ड कप के फ़ाइनल में पहुंचाया और रविवार के टाइटल मैच से पहले टीम का कॉन्फ़िडेंस बढ़ा दिया। जीत के बाद आईसीसी ने एलन के हवाले से कहा, "रविवार को उन पर एक जीत हासिल करना हमारे लिए बहुत बड़ा कॉन्फ़िडेंस बूस्टर है।" "वे पूरे टूर्नामेंट में इन-फॉर्म टीम रहे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि एक ग्रुप के तौर पर, रविवार को वह जीत हासिल करना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है, लेकिन आपको रविवार को फिर से शुरुआत करनी होगी। यह एक नई विरोधी टीम है, अलग हालात हैं, और यह सब।

उन्होंने आगे कहा, "हमारे लिए, हम बस इस गेम से पॉजिटिव बातें निकालना चाहते हैं और कल अहमदाबाद के लिए फ्लाइट लेकर फिर से शुरुआत करना चाहते हैं।"

जबकि एलन और सीफर्ट ने चेज में दबदबा बनाया, न्यूज़ीलैंड के बॉलर्स ने पहले ही नींव रख दी थी। मैट हेनरी, रचिन रवींद्र और कोल मैककॉन्ची ने दो-दो विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की मजबूत बैटिंग लाइनअप को रोक दिया।

एलन ने कैप्टन मिशेल सेंटनर के टॉस जीतने के बाद टोन सेट करने का क्रेडिट बॉलर्स को दिया।

एलन ने कहा, "उन्होंने बॉल से हमारे लिए शुरुआती विकेट लेकर इसे सेट किया, जिसे हमने बहुत अच्छा बैटिंग विकेट माना था।" न्यूज़ीलैंड अब रविवार के फ़ाइनल में अपने अपोनेंट्स को जानने के लिए इंडिया और इंग्लैंड के बीच दूसरे सेमीफ़ाइनल के रिज़ल्ट का इंतज़ार करेगा।

समीक्षा

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री ने एथलीटों को पूरा सपोर्ट देने का भरोसा दिया

मनसुख मांडविया ने एशियाई खेलों की तैयारियों का रिव्यू किया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (साई) हेडक्वार्टर में एक हाई-लेवल मीटिंग की अध्यक्षता की, जिसमें 2026 एशियन गेम्स के लिए भारत की तैयारियों का रिव्यू किया गया। ये गेम्स 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होने वाले हैं। युवा मामले और खेल मंत्रालय, साई और दूसरे स्टेकहोल्डर्स के सीनियर अधिकारियों ने डॉ. मांडविया को इवेंट से पहले देश की तैयारियों के बारे में जानकारी दी, और यह पक्का किया कि एथलीटों को कॉन्टिनेंटल शोपीस में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए हर मुमकिन सपोर्ट मिले।

एशियन गेम्स 2026 की तैयारियों के रिव्यू के लिए 15 सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई है, जिसमें युवा मामले और खेल मंत्रालय के सेक्रेटरी हरि रंजन राव, इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन की प्रेसिडेंट पीटी उषा, एशियन गेम्स के शेफ डी मिशन सहदेव यादव, डिप्टी शेफ डी मिशन शरत कमल और दूसरे लोग दिसंबर 2025 से अब तक ट्रेनिंग, लॉजिस्टिक्स, एथलीट वेलफेयर और कॉम्पिटिशन की तैयारी की प्लानिंग को आसान बनाने के लिए चार मीटिंग कर चुके हैं। यह कमेटी गेम्स में भारत के कैंपेन के लिए स्ट्रेटेजिक रोडमैप की देखरेख कर रही है।

मीटिंग के दौरान, डॉ. मनसुख मांडविया ने एथलीट वेलफेयर और परफॉर्मेंस के लिए सरकार के कमिटमेंट को दोहराया। "हमारे एथलीट हमारी टॉप प्रायोरिटी हैं। ट्रेनिंग और स्पोर्ट्स साइंस से लेकर लॉजिस्टिक्स, किट सपोर्ट, फूड सपोर्ट और मेडिकल केयर तक, हर मुमकिन सपोर्ट दिया जाएगा ताकि वे बिना किसी रुकावट के तैयारी कर सकें और एशियन गेम्स में अपना बेस्ट दे सकें। हमारा मकसद उन्हें किसी भी कीमत पर परेशान नहीं करना है और यह पक्का करना है कि वे कॉम्पिटिशन में हमारे मेडल टैली को बढ़ाने पर फोकस्ड रहें।"

केंद्रीय मंत्री ने सभी स्टेकहोल्डर्स के बीच मिलकर कोशिश करने की जरूरत पर भी ज़ोर दिया, और कहा कि स्ट्रक्चर्ड तैयारी, मजबूत सपोर्ट सिस्टम और समय पर प्लानिंग 2026 एशियन गेम्स में भारत को नए माइलस्टोन हासिल करने में मदद करने में अहम भूमिका निभाएगी। तैयारियों के हिस्से के तौर पर, हर एनएसएफ ने एशियन गेम्स टेक्निकल हैंडबुक के लिए नोडल ऑफिसर बनाया है ताकि वे अपने-अपने एनएसएफ खिलाड़ियों, कोच और सपोर्ट स्टाफ को खेलों में सबसे अच्छा परफॉर्मेंस पक्का करने के लिए डिसिप्लिन के हिसाब से टेक्निकल डिटेलिंग के बारे में समझा सकें और उन्हें जानकारी दे सकें। टीमों को काफी पहले फाइनल कर दिया जाएगा ताकि एथलीटों को फोकस्ड तैयारी के लिए काफी समय मिल सके और मेडिकल टीमों सहित सपोर्ट स्टाफ की क्षमता को मजबूत करने की भी कोशिश की जा रही है, साथ ही लॉजिस्टिक सुविधा के लिए विदेशों में भारतीय दूतावासों के साथ आसान तालमेल पक्का किया जा सके। फेडरेशन को एक्सपोजर टूर और कॉम्पिटिशन शेड्यूल पहले से प्लान करने की आजादी दी गई है। जिन डिसिप्लिन में ऑपरेशनल प्लानिंग ज्यादा मुश्किल है, उनके लिए कई जगहों पर सपोर्ट का इंतज़ाम किया जाएगा और हर जगह पर डेडिकेटेड सपोर्ट स्टाफ तैनात किया जाएगा। खाने और पर्यावरण की स्थिति जैसे माहौल के हिसाब से ढलने के पहलुओं पर भी खास ध्यान दिया जा रहा है, साथ ही खेलों से पहले भारत में कॉम्पिटिशन के माहौल जैसा माहौल बनाने के तरीके भी खोजे जा रहे हैं।

देश का लक्ष्य हांगझाऊ एशियन गेम्स 2022 में हासिल किए गए ऐतिहासिक 106 मेडल के रिकॉर्ड को पार करना है, जिसमें स्ट्रेटेजिक प्लानिंग, डेडिकेटेड तैयारी और सभी स्टेकहोल्डर्स के बीच एक जैसा तालमेल शामिल है। 2026 गेम्स में 700 से ज़्यादा भारतीय एथलीट के 40 स्पोर्ट्स डिसिप्लिन में हिस्सा लेने की उम्मीद है।

आज सुबह मीटिंग के दौरान, इस बात पर ज़ोर दिया गया कि ऐची-नागोया एशियन गेम्स एक खास पाँच-क्लस्टर कॉम्पिटिशन मॉडल को फॉलो करते हैं, जिसमें एथलीट एक ही ओलंपिक-विलेज स्टाइल की जगह पर रहने के बजाय कई प्रीफेक्चर में मुकाबला करते हैं। वेन्यू ऐची, गिफू, शिज़ुओका और एयरपोर्ट-एक्सपो ज़ोन जैसे क्लस्टर में फैले हुए हैं, जिसके लिए ट्रैवल, लॉजिस्टिक्स, मेडिकल सपोर्ट और एथलीट रिकवरी के लिए डिटेल्ड प्लानिंग की ज़रूरत होती है।

एथलीटों को गेम्स के रहने की जगहों के हिसाब से एडजस्ट करने में मदद करने के लिए, पटियाला और बेंगलुरु में साई रीजनल सेंटर्स में खास मेकशिफ्ट कंटेनर यूनिट्स लगाई जाएंगी, जिससे एथलीट गेम्स के दौरान होने वाले कंटेनर-स्टाइल रहने के इंतज़ाम से खुद को परिचित कर सकें। अधिकारियों ने कहा कि इस कदम से एथलीट जल्दी एडजस्ट कर पाएंगे और कॉम्पिटिशन के दौरान ध्यान भटकने से बच पाएंगे। मीटिंग में जनवरी में आईओए डेलीगेशन के चार दिन के रेकी विज़िट का भी रिव्यू किया गया, जिसमें जापान में मुख्य कॉम्पिटिशन की जगहों, एथलीट सुविधाओं और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर का इंस्पेक्शन किया गया था। नतीजों के आधार पर, क्लस्टर के हिसाब से प्लानिंग की जा रही है, जिसमें हर क्लस्टर को डेडिकेटेड लॉजिस्टिक्स ऑफिसर, मेडिकल टीम और सपोर्ट स्टाफ दिए गए हैं ताकि भारतीय एथलीटों के लिए बिना किसी रुकावट के ऑपरेशन हो सके।

कर्नाटक की तिकड़ी आईटीएफ एशिया अंडर-14 डेवलपमेंट चैंपियनशिप फाइनल्स में भारतीय टीम की करेंगी अगुआई

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के तीन टेनिस खिलाड़ियों सृष्टि किरण, पद्मप्रिया रमेश कुमार और पुनीत मनोहर को 29 मार्च से 10 अप्रैल तक श्रीलंका के कोलंबो में होने वाली आईटीएफ एशिया अंडर-14 डेवलपमेंट चैंपियनशिप 2026 फाइनल्स में भारत के प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में एशिया की अग्रणी अंडर-14 प्रतिभाएं प्रतिस्पर्धा करती है। इस बार भारतीय टीम में चार में से तीन स्थान कर्नाटक के खिलाड़ियों ने हासिल किए हैं। सृष्टि किरण और पद्मप्रिया रमेश कुमार लड़कियों की श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जबकि पुनीत मनोहर को पंजाब के तनिश नंदा के साथ लड़कों की लाइनअप में नामित किया गया है। इस अवसर पर कर्नाटक स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन (केएसएलटीए) के संयुक्त सचिव सुनील यजमान ने कहा, "मैं सृष्टि, पद्मप्रिया और पुनीत को इस शानदार कामयाबी के लिए बधाई देता हूं। कर्नाटक के लिए यह बहुत गर्व की बात है कि हमारे युवा स्टार्स ने अपने अनुशासन और कड़ी मेहनत से राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बनाई है।

सनी देओल-बॉबी और अक्षय खन्ना के कमबैक पर फराह खान की टिप्पणी

फराह खान इन दिनों अपने कुकिंग व्लॉग्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में वे पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया से बात करती दिखीं। इस दौरान उन्होंने देओल भाई यानी सनी देओल और बॉबी देओल के इंडस्ट्री में दमदार कमबैक पर बात करते हुए दोनों की तारीफ की। इसके अलावा उन्होंने अक्षय खन्ना का भी जिक्र किया। फराह ने कहा कि यह चैलेंजिंग काम है।

नाकामी को बेकार मत जाने दो

दरअसल, व्लॉग के दौरान रणवीर ने फराह खान से कहा कि अक्षय खन्ना, सनी देओल और बॉबी देओल की जर्नी उन्हें बहुत इंस्पायर करती है। इस पर फराह खान ने भी रिएक्शन दिया। फराह खान ने कहा, 'यह बहुत अच्छा है। क्या कमाल की वापसी इनकी हुई है। वो बाहर होकर वापस आए हैं। यह तो और भी मुश्किल है। किसी ने कहा है, एक अच्छी नाकामी को कभी बेकार मत जाने दो। हमेशा उससे कुछ सीखो'।

सनी, बॉबी और अक्षय खन्ना का कमबैक

बता दें कि अक्षय खन्ना फिल्म 'छावा' और फिर 'धुरंधर' में अपने किरदारों को लेकर खूब सुर्खियों में रहे हैं। 'धुरंधर' में तो उन्होंने रहमान डकैत के किरदार में पूरी महफिल ही लूट ली। इसी तरह बॉबी देओल ने लंबे वक्त बाद फिल्म 'एनिमल' से दमदार वापसी की थी। इसके बाद वे आर्यन खान निर्देशित सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए। वहीं, सनी देओल ने 'गदर 2' से वापसी की और 'बॉर्डर 2' में भी उनका भौकाल रहा। इसे लेकर ही फराह ने तीनों सितारों की तारीफ की। 'तीस मार खान' को लेकर कही ये बात फराह खान ने इस दौरान अपनी फिल्म 'तीस मार खान' के बारे में भी बात की और बताया कि कैसे फिल्म को रिलीज के वर्षों बाद भी बहुत प्यार मिल रहा है। फराह ने इस बारे में बात करते हुए कहा, 'जब 'तीस मार खान' रिलीज हुई थी, तो मेरी तो बैंड ही बजा के रख दी थी। मैंने सोचा, मैं इतना गलत कैसे जा सकती हूं, क्योंकि मुझे तो बहुत फनी लगी थी। अब मुझे लगता है, वाह। अभी अक्षय खन्ना का फिर से आना हुआ है तो लोग मुझे यह कोट कर रहे हैं'।

'वाराणसी' फिल्म को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने किया बड़ा खुलासा

प्रियंका चोपड़ा ने ऐलान किया कि वे 'वाराणसी' फिल्म के साथ बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म उनके करियर में लगभग 6-7 साल बाद पहली इंडियन फिल्म होगी। 'वाराणसी' फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं, जिन्हें दीपिका पादुकोण ने 'भारत के सबसे टैलेंटेड डायरेक्टर्स में से एक' बताया है। फिल्म में महेश बाबू लीड रोल में हैं और प्रियंका फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी।

क्यों हैरान हुए जिमी फैलन

प्रियंका ने शो पर बताया कि फिल्म की शूटिंग 14 महीने से चल रही है और अभी इसके अगले 6 महीने की शूटिंग बाकी है। शो के होस्ट जिमी फैलन भी इतने लंबे समय को सुनकर हैरान रह गए।

फिल्म देगी नेक्स्ट लेवल

एक्सपीरियंस फिल्म को आईमैक्स फॉर्मेट में शूट किया जा रहा है, जिससे यह बड़े स्क्रीन अनुभव के लिए तैयार की जा रही है। प्रियंका ने कहा, 'हां, हम इसे शूट कर रहे हैं, तो बड़े थिएटर्स में ये फिल्म शानदार अनुभव देगी।' प्रियंका ने शूटिंग अनुभव को एक एडवेंचर बताया और कहा कि वह फिल्म को लेकर बहुत एक्साइटेड हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि वाराणसी अप्रैल 2027 में रिलीज होगी।

'द ब्लफ' में नजर आई प्रियंका

प्रियंका फिलहाल फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आ रही हैं, जो 26 फरवरी को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन, वेदांतेन नायडू भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

'द व्हाइट लोटस' को ठुकराने की खबरों के बीच दीपिका का क्रिप्टिक पोस्ट

दीपिका पादुकोण इन दिनों एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट को ठुकरा देने को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, बीते दिनों ऐसी खबरें आईं कि दीपिका हॉलीवुड की पॉपुलर ब्लैक कॉमेडी सीरीज 'द व्हाइट लोटस' के चौथे सीजन में नजर आ सकती हैं। मगर, अब मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अभिनेत्री ने इसमें काम करने से इनकार कर दिया है। ऐसी खबरों के बीच दीपिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया है।

क्यों ठुकराया दीपिका ने ऑफर?

दीपिका पादुकोण भारतीय फिल्मों 'कल्कि 2' और 'स्पिरिट' से पहले ही कुछ कारणों से इनकार कर चुकी हैं। अब उन्होंने हॉलीवुड सीरीज से भी किनारा कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका ने 'द व्हाइट लोटस' सीरीज में काम करने से इसलिए मना कर दिया, क्योंकि वे अपने किरदार के लिए ऑडिशन नहीं देना चाहती थीं। वहीं, सीरीज के मेकर्स ऑडिशन लेना चाहते थे।

चुप रहना मुश्किल है

इस तरह की तमाम खबरों के बीच दीपिका पादुकोण ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसका सार यह है कि जब लोग शोर मचा रहे हों, आपको लेकर बातें हो रही हैं, तब चुप रहना चुन पाना मुश्किल होता है और यही असली ताकत है। दीपिका के पोस्ट में लिखा है, 'शांत रहना सबसे बड़ा फ्लेक्स है। कोई भी अपना आपा खो सकता है, तुरंत रिएक्ट कर सकता है। जोर से बात कर सकता है और शोर मचा सकता है। इसके लिए जीरो ताकत चाहिए। असली ताकत तब दिखती है जब अफरा-तफरी मच जाती है और आप झुकते नहीं हैं। जब ड्रामा आपको अपनी ओर खींचने की कोशिश करता है और आप जमीन पर टिके रहते हैं।

शांत रहना एक सुपरपावर है

आगे लिखा है, 'शांत रहना कमजोरी नहीं है, यह मास्टरी है। यह जानना है कि आपको कुछ भी साबित करने, सब कुछ समझाने या हर किसी पर रिएक्ट करने की जरूरत नहीं है। जब दूसरे लोग घबराकर एनर्जी खर्च करते हैं, तो आप चुपचाप, साफ और जान-बूझकर आगे बढ़ते हैं। शोर की आदी दुनिया में, शांत रहना एक जबर्दस्त सुपरपावर है'। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑडिशन नहीं देने के फैसले के चलते दीपिका ने यह बड़ा प्रोजेक्ट ठुकरा दिया। साथ ही यह भी कहा गया है कि यह पहली बार नहीं है, जब दीपिका को इस सीरीज का ऑफर मिला हो। इससे पहले उन्हें तीसरे सीजन के दौरान भी ऑफर आया था।

'भाई तेरा यार है' में लीड रोल निभाएंगे राघव जुयाल

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की शानदार सफलता के बाद राघव अब पहली बार बतौर लीड एक्टर किसी फिल्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इससे पहले वे 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' और 'किल' फिल्म में काम कर चुके हैं।

वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, राघव फिल्म 'भाई तेरा यार है' में नजर आएंगे। इस हफ्ते फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू हुई है। पहले शूटिंग शेड्यूल को बीच में ही रोकना पड़ा था क्योंकि राघव का पैर टूट गया था। उस वक्त पूरी टीम को लंदन से वापस लौटना पड़ा था। अब राघव पूरी तरह ठीक हो चुके हैं और फिल्म की शूटिंग फिर से पटरी पर आ गई है। इस फिल्म का निर्देशन विवेक अग्रवाल कर रहे हैं, जो 'आई सी यू' के लिए जाने जाते हैं, जिसमें अर्जुन रामपाल नजर आए थे। राघव के लिए यह फिल्म खास है क्योंकि इससे पहले किल और 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाई थीं, लेकिन 'भाई तेरा यार है' में वह पहली बार लीड रोल में दिखाई देंगे।

ऋषभ शेट्टी ने 'जय हनुमान' की शूटिंग पर दी अपडेट

अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी अपनी पत्नी प्रगति शेट्टी के साथ कर्नाटक के रायचूर जिले में स्थित मंत्रालयम गए। दंपति ने गुरु राघवेंद्र स्वामी को समर्पित गुरु वैभवोत्सव में भाग लिया और क्षेत्र भर से आए श्रद्धालुओं के साथ उत्सव में शामिल हुए। उनका यह दौरा राघवेंद्र स्वामी के जन्मदिन के मौके पर हुआ। इस दौरान अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म 'जय हनुमान' को लेकर भी बात की।

अभी नहीं शुरू हुई 'जय हनुमान' की शूटिंग

इस दौरान ऋषभ शेट्टी राघवेंद्र स्वामी के वृंदावन के सामने बैठकर श्रद्धापूर्वक दर्शन करते हुए नजर आए। दर्शन के बाद मीडिया से बात करते हुए एक्टर ने कहा कि जब भी मैं मंत्रालयम आता हूं, मुझे मन की शांति मिलती है। रायरू के दर्शन होना मेरा सौभाग्य है। हम नियमित रूप से यहां आते रहते हैं। अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जय हनुमान' के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में मुहूर्त हुआ है। अभी शूटिंग शुरू होनी बाकी है। हम हनुमान जी पर एक शानदार फिल्म बना रहे हैं, जिसमें एक अच्छा संदेश है।

राघवेंद्र स्वामी पर फिल्म बना सकते हैं ऋषभ

अपने करियर के विकल्पों पर बात करते हुए ऋषभ शेट्टी ने कहा कि असल में, हम कलाकार हैं। अगर कोई निर्देशक कहानी सुनाता है और हमें किरदार पसंद आता है, तो हम उसे जरूर करेंगे। हर कलाकार अच्छे निर्माताओं के साथ ऐसे किरदार निभाने की उम्मीद रखता है। मंत्रालयम के रायरू यानी राघवेंद्र स्वामी पर आधारित फिल्म बनाने की संभावना के बारे में अभिनेता ने कहा कि मंत्रालयम के रायरू पर फिल्म बनाना आसान नहीं है, यह बहुत मुश्किल काम है। मैं अभी कुछ नहीं कह सकता, देखते हैं आगे क्या होता है।

ट्रेलर के बाद दर्शक फिल्म की भव्यता समझ पाएंगे

निर्देशक प्रशांत वर्मा द्वारा निर्देशित 'जय हनुमान' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फैंस इस फिल्म को लेकर काभी उत्साहित हैं। इस उत्साह पर ऋषभ शेट्टी ने कहा कि जब टीजर और ट्रेलर रिलीज होंगे, तब लोग इसकी भव्यता को समझ पाएंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी। ऋषभ शेट्टी को आखिरी बार 'कंतारा: चैप्टर 1' में देखा गया था, जो 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी।

भंसाली सर संग फिर काम करना है, शाहरुख खान के बगल में बैठना ही मेरा ऑस्कर

संजय लीला भंसाली की महत्वाकांक्षी वेब सीरीज 'हीरामंडी' के ताजदार आपको याद होंगे। एक्टर ताहा शाह बादुशा को इस किरदार ने खूब प्यार और नाम दिया। वह अपनी फिल्म 'पारो: द अनटोल्ड स्टोरी' ऑफ ब्राइड स्लेवरी को लेकर चर्चा में हैं, जो 98वें ऑस्कर अवॉर्ड के कंटेशन सूची तक पहुंची। यह फिल्म खरीदी-बेची जाने वाली दुल्हनों की दुर्दशा को दिखाती है। हालांकि, ऑस्कर नॉमिनेशन में यह आगे नहीं बढ़ पाई, मगर ताहा का कहना है कि ऑस्कर में आगे पहुंचने से ज्यादा मायने इस फिल्म, इस विषय का लोगों तक पहुंचना है। बातचीत में ताहा बताते हैं शाहरुख खान को देखकर ही उन्हें एक्टर बनने का जुनून चढ़ा, फिर जब किंग खान की बगल में बैठने का मौका मिला, तो मानो जैसे उन्हें ऑस्कर मिल गया। अपनी फिल्म के बारे में वह कहते हैं, 'ब्राइड स्लेवरी यानी खरीदी गई गुलाम दुल्हनों की जिंदगी पर ना के बराबर फिल्में बनी हैं। जबकि, ऐसी करीब 7000 औरतें हैं, जिनका कोई वजूद ही नहीं है।'

ताहा शाह 'पारो' के बारे में आगे बताते हैं, 'ये औरतें अपनी उम्र से 30-35 साल बड़े आदमी के साथ ब्याह दी जाती हैं। कभी-कभी तो ये 10-15 बार बेची जाती हैं, पर इन्हें ना तो एक बीवी का हक मिलता है, ना इज्जत। आदमी का मन भर जाए तो वह उसे दोबारा बेच देता है। उस औरत, जिन्हें पारो बुलाया जाता है, उनका अपने घर, बच्चों, किसी चीज पर हक नहीं होता। हम चाहते हैं कि उन्हें वो हक और इज्जत मिले। इन औरतों को पहचान मिलना ही हमारी सबसे बड़ी कामयाबी होगी।'

शाहरुख खान को देखकर चढ़ा एक्टर बनने का जुनून

यूएई में पले-बढ़े ताहा शाह का हिंदी सिनेमा और एक्टिंग की ओर रुझान कैसे हुआ? यह पूछने पर वह बताते हैं, 'मेरी मम्मी जब यंग थीं तो एक्ट्रेस बनना चाहती थीं। उनको मौका भी मिला था, पर मेरी नानी ने मना कर दिया तो उनका सपना अधूरा रह गया। मां को फिल्मों का बहुत शौक था। वे फिल्में देखती थीं तो मैं भी देखता था। मगर एक्टिंग के बारे में नहीं सोचा था। फिर एक बार मैं वहां हो रहे अवॉर्ड शो में बहुत ही पीछे बैठा था। कुछ दिख नहीं रहा था, पर मजा आ रहा था, लेकिन तभी अचानक से लाइट्स बंद हुईं और मेरे बिल्कुल पीछे क्रेन पर शाहरुख खान खड़े थे। हम सब खुशी से चीखने लगे थे। उस वक्त मेरे अंदर भी एक्टिंग का जुनून जगा। मेरी खुशनसीबी रही कि मुझे शाहरुख खान की उपस्थिति में, उनके बगल में बैठने का मौका मिला है। वही मेरा ऑस्कर है।'

भंसाली सर संग दोबारा काम करना है

साल 2011 में फिल्म 'लव का द एंड' से करियर शुरू करने वाले ताहा को 13 साल बाद संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' से पहचान मिली। वह कहते हैं, 'मैं संजय सर का जितना शुक्रिया करूं, वह कम है, क्योंकि मैं आज जहां पर भी हूं, उनकी वजह से हूं। उन्होंने मुझे इस काबिल समझा कि मुझे ताजदार का इतना अहम रोल निभाने को दिया। मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उसके साथ न्याय किया हो और वह मुझे दोबारा अपने गाइडेंस में काम करने का मौका दें। मैं दोबारा उनके साथ काम करना चाहूंगा। संजय सर वो हीरा हैं, जिनकी चमक में रहकर हम भी बहुत कुछ सीख जाते हैं। एक बेहतर आर्टिस्ट, बेहतर क्रिएटिव इंसान बन जाते हैं।'

मेरे पास कोई प्लान बी नहीं, मेरी सफलता में मां का 80% योगदान

ताहा का सफर और सफलता की राह बड़ी लंबी रही है। जब उनसे पूछा गया कि इस लंबे इंतजार में वह कैसे डटे रहे? तो जवाब मिला, 'मैंने हार इसलिए नहीं मानी, क्योंकि मेरा कोई दूसरा प्लान बी कभी था ही नहीं। मैं बहुत क्रिएटिव किस्म का आदमी हूं। सिर्फ एक्टिंग में ही मुझे खुशी मिलती है तो डटे रहने के अलावा मेरे पास कोई विकल्प ही नहीं था। फिर, मेरी मम्मी कहती थीं कि जब मैं नहीं थक सकती तो तुम कैसे थक सकते हैं। मेरे इस सफर में मेरा योगदान 20 पर्सेंट है, उनका 80 पर्सेंट है। उनके बिना इस उतार-चढ़ाव भरे प्रफेशन में बिल्कुल सर्वाइव नहीं कर पाता।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401